RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 142 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 16-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 थरूर ने उनके और राहुल के बीच विरोधाभास वाले पोस्ट को 'विचारशील' बताया

6 लेना ही होगा आरक्षण को खत्म करने का निर्णय

7 एक कलाकार के तौर पर अपनी जिम्मेदारी से परिचित हूं : माधुरी दीक्षित

फर्स्ट टेक

टीटीडी अपने सभी मंदिरों में ऑनलाइन भुगतान की सुविधा देगा

तिरुपति/भाषा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने देशभर में अपने सभी 60 मंदिरों में कियोस्क मशीनें और क्यूआर कोड सेवा उपलब्ध कराने की सोमवार को घोषणा की, ताकि श्रद्धालुओं को यूपीआई भुगतान की सुविधा प्रदान की जा सके। यह निर्णय टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के दौरान लिया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे टीटीडी के प्रबंधन वाले सभी मंदिरों में कियोस्क मशीनें और क्यूआर कोड सेवा उपलब्ध कराएं, ताकि श्रद्धालु आसानी से डिजिटल भुगतान कर सकें। टीटीडी तिरुपति में स्थित दुनिया के सबसे धनी हिंदू मंदिर 'श्री वेंकटेश्वर मंदिर' का आधिकारिक संरक्षक है।

चीन ने तिब्बत में तैनाती के लिए अपने हल्के लड़ाकू टैंक को उन्नत किया

बीजिंग/भाषा। चीन ने अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लड़ाई में सक्षम अपने हल्के लड़ाकू टैंक 'टाइप 99बी' को उन्नत सूचना-आधारित कमान, संचार क्षमताओं और एकीकृत मारक क्षमता से लैस किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। हांगकांग स्थित अखबार 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने आधिकारिक मीडिया की खबरों के हवाले से प्रकाशित रिपोर्ट में कहा है कि लड़ाकू टैंक को उन्नत क्षमताओं से लैस किए जाने की खबरें भारत द्वारा उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में, खास तौर पर चीन के साथ लगी सीमा पर, युद्ध के लिए स्वदेशी रूप से विकसित हल्के टैंक जोरावर के अनावरण की पृष्ठभूमि में आई हैं।

एसआईआर संवैधानिक रूप से वैध : मेघवाल

नई दिल्ली/भाषा। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संवैधानिक रूप से वैध है और ऐसा पहले भी कई बार किया जा चुका है। चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए मेघवाल ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन की पहल बी आर आंबेडकर द्वारा निर्मित संवैधानिक ढांचे पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि आंबेडकर के जीवित रहते और उनके सक्रिय सार्वजनिक जीवन में रहते हुए भी कांग्रेस ने उन्हें अपमानित करने का हरसंभव प्रयास किया। उन्होंने कहा कि 1952 के चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें हराने के लिए हरसंभव प्रयास किया और 1953-54 में भी ऐसा किया। मेघवाल ने कहा कि एसआईआर आंबेडकर द्वारा प्रस्तावित एक व्यक्ति, एक वोट और एक मूल्य के सिद्धांत पर आधारित है।

16-12-2025 सूर्यास्त 5:56 बजे	17-12-2025 सूर्योदय 6:34 बजे
BSE 85,213.36 (-54.30)	NSE 26,027.30 (-19.65)
सोना 13,940 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 196,712 रु. प्रति किलो

प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय दौरे पर जॉर्डन पहुंचे

मोदी और जॉर्डन के शाह ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अम्मान/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय इब्न अल हुसैन ने सोमवार को यहां मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की तथा पारस्परिक महत्व के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

अब्दुल्ला द्वितीय के निमंत्रण पर मोदी दो दिवसीय यात्रा पर जॉर्डन पहुंचे। शाह ने मोदी का हुसैनीया पैलेस में गर्मजोशी से स्वागत किया, जहां प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता से पहले दोनों के बीच आमने-सामने की बैठक हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने शाह अब्दुल्ला द्वितीय से कहा कि उन्हें भरोसा है कि उनकी मुलाकात भारत-जॉर्डन संबंधों को नयी गति प्रदान करेगी और इससे उसमें प्रगाढ़ता आएगी। उन्होंने कहा, ''हम व्यापार, उर्वरक, डिजिटल प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में अपना सहयोग जारी रखेंगे।''

मोदी ने कहा कि दोनों देशों की आतंकवाद के खिलाफ साझा और स्पष्ट सोच है। प्रधानमंत्री ने गाजा मुद्दे पर शाह अब्दुल्ला द्वितीय की ''सक्रिय और सकारात्मक भूमिका'' की सराहना की।

डॉलर के मुकाबले रुपया टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 90.74 पर

मुंबई/भाषा। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया सोमवार को 25 पैसे फिसल कर 90.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर के अबतक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। भारतअमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली के चलते रुपए में गिरावट आई। एक समय यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 90.80 तक आ गया था।। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि जोखिम से बचने की धारणा और आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग ने निवेशकों की धारणाओं को और कमजोर किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 90.53 पर खुला, लेकिन बाद में फिसलते हुए कारोबार के दौरान 90.80 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया, जो उसके पिछले बंद भाव से 31 पैसे की गिरावट है। कारोबार में अंत में यह 25 पैसे टूटकर 90.74 (अस्थायी) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा शुक्रवार को 17 पैसे गिरकर 90.49 पर बंद हुई थी।

प्रधानमंत्री को 'धमकी' देने के मामले में माफी मांगें राहुल, खरगे : रीजीजू

■ हम अलग-अलग विचारधाराओं का प्रचार करते हैं लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के सपने के अनुरूप विकसित भारत के लिए मिलकर काम करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कथित रूप से दी गई ''धमकी'' के लिए माफी मांगनी चाहिए।

रीजीजू ने यहां आनन-फानन में बुलाए गए एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को हुई कांग्रेस की रैली के दौरान पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री की कब्र खोदने की धमकी दी। उन्होंने इसे भारतीय लोकतंत्र में घटित हुई ''सबसे दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद'' घटना बताया। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री को धमकी दिए जाने के लिए माफी मांगनी चाहिए। यह

अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं दुखद है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की कब्र खोदने की सार्वजनिक तौर पर धमकी दी।''

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता एवं नेता राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, दुश्मन नहीं। उन्होंने कहा, ''हम अलग-अलग विचारधाराओं का प्रचार करते हैं लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के सपने के अनुरूप विकसित भारत के लिए मिलकर काम करते हैं।''

रीजीजू ने कहा कि राजनीतिक मतभेद अलग विषय हैं और उनके बावजूद नेता सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं और वे विभिन्न तरीकों से एक-दूसरे की आलोचना भी करते हैं। उन्होंने कहा, ''हम अलग-अलग तरीकों से एक-दूसरे का विरोध करते हैं। हम एक-दूसरे को जान से मारने के बारे में कभी नहीं सोचते और न ही ऐसी बात करते हैं। यह कैसी मानसिकता है? यह कैसी प्रवृत्ति है कि कुछ लोग राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को जान से मारने की खुलेआम धमकी दे रहे हैं?'' रीजीजू ने कहा कि मोदी 140 करोड़ लोगों के प्रधानमंत्री हैं और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा, ''पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान करती है, पूरा भारत प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान करता है लेकिन यदि विपक्ष में कुछ लोग प्रधानमंत्री को जान से मारने की धमकी देते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा

'हर जरूरतमंद की सेवा ही सरकार का लक्ष्य'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य ''हर जरूरतमंद की सेवा करना'' है। योगी आदित्यनाथ ने यहां 'जनता दर्शन' के दौरान यह बात कही। 'जनता दर्शन' के दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक फरियादी से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और सभी के प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को

सख्त एवं उचित कार्रवाई के निर्देश दिए।

एक बयान के अनुसार, 'जनता दर्शन' में प्रादेशिक सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) के एक सिपाही ने मुख्यमंत्री को अपनी समस्या से अवगत कराया जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए मामले के उचित निस्तारण का निर्देश दिया।

शाहजहांपुर से आए एक किसान ने धान खरीद केंद्रों पर लापरवाही की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार किसानों की समृद्धि के लिए लगातार कार्य कर रही है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।''

मुख्यमंत्री ने शाहजहांपुर के जिलाधिकारी को खरीद केंद्रों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

प्रयागराज से भी कुछ फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित मामलों में प्रयागराज के जिला एवं पुलिस प्रशासन को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''हर जरूरतमंद की सेवा ही सरकार का लक्ष्य है।

अभिषेक

वाराणसी में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य सोमवार, 15 दिसंबर 2025 को भगवान पार्श्वनाथ की जयंती के अवसर पर वाराणसी के भेलूपुर स्थित पार्श्वनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर में अभिषेक करते हुए।

125 दिन के रोजगार वाला नया कानून ला सकती है सरकार

मनरेगा की जगह ले सकती है 'विकसित भारत-जी राम जी'

नई दिल्ली/भाषा। सरकार 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) को निरस्त करने और इस संबंध में एक नया कानून बनाने के लिए लोकसभा में विधेयक लेकर आ सकती है। नए विधेयक का नाम 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (विकसित भारत-जी राम जी) विधेयक, 2025' होगा।

विधेयक की प्रतियां लोकसभा सदस्यों को बांटी गई हैं। विधेयक का उद्देश्य ''विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप ''ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करना है, जिसके तहत अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए स्वेच्छा से आगे आने वाले प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को हर वित्त वर्ष में 125 दिन के रोजगार की वैधानिक गारंटी दी जाएगी। इसका लक्ष्य सशक्तीकरण एवं विकास को बढ़ावा देकर समृद्ध और सक्षम ग्रामीण भारत का निर्माण करना है।'' लोकसभा की सोमवार की कार्यसूची में यह विधेयक सूचीबद्ध किया गया है।

विधेयक के उद्देश्यों के कथन में ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि मनरेगा ने पिछले 20 साल से अधिक समय तक ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी दी है।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि, सामाजिक सुरक्षा के बड़े पैमाने पर कवरेज और बड़ी सरकारी योजनाओं को पूरी तरह लागू करने से ग्रामीण इलाकों में जो बड़ा सामाजिक-आर्थिक बदलाव आया है, उसे देखते हुए इसे और मज़बूत करना ज़रूरी हो गया है।

हिंदू धर्म पर अपमानजनक पोस्ट करने का आरोपी गिरफ्तार

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। विदेश प्रवास के दौरान हिंदू धर्म के बारे में अपमानजनक और भड़काऊ बातें लिखने के आरोप में एक व्यक्ति को भारत पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंगलुरु स्थित उलईबेत्तू निवासी अब्दुल खादर नेहाद (27) सऊदी अरब में काम करता था। पुलिस के मुताबिक, एक इंस्टाग्राम अकाउंट पर हिंदू धर्म से जुड़ी कथित अपमानजनक और भड़काऊ पोस्ट अपलोड किए जाने के बाद स्वतः संज्ञान लेते हुए बाजपे पुलिस थाना में 11 अक्टूबर को एक मामला दर्ज किया गया था।

सोच स्वतंत्र रखें और अपनी आवाज को कमजोर ना होने दें छात्र : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को विद्यार्थियों को अपनी सोच स्वतंत्र रखने और आवाज को कभी कमजोर न होने देने की सलाह दी। वह विधानसभा में 'राजस्थान युवा सभा' को संबोधित कर रहे थे जिसमें सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

देवनानी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में विद्यार्थियों पर बहुत दबाव है, ऐसे में मानसिक संतुलन बनाए रखना अत्यंत जरूरी है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया, ''वे सदैव सकारात्मक सोचें। कई क्षेत्र हैं जिनमें हम करियर बना सकते हैं, करियर हम उसी क्षेत्र में बनाए जिसमें हम रुचि रखते हैं।'' उन्होंने कहा,'सभी विद्यार्थियों को मेरी तीन सलाह है, अपनी सोच को स्वतंत्र रखें, अपनी आवाज को कभी कमजोर ना होने दें और समस्या नहीं हमेशा समाधान की चर्चा करें।'

शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने कहा कि राजस्थान युवा सभा के लिए बीस हजार राजकीय विद्यालयों से 158 विद्यार्थियों का चयन किया गया। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा पहली बार इस तरह का नवाचार किया गया जिसमें कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी शामिल हुए। मॉक सत्र में विद्यार्थियों ने 'हमारा भविष्य हमारा निर्णय किशोर-किशोरियों के सशक्त भविष्य के लिए सुदृढ़ मानसिक स्वास्थ्य और उचित करियर मार्गदर्शन की आवश्यकता' विषय पर चर्चा की। आयोजन में वास्तविक विधानसभा सत्र की तर्ज पर अध्यक्ष, प्रमुख नेता एवं नेता प्रतिपक्ष की भूमिकाएं निभाईं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदले तेवर

वे बने शांति के दूत आज,
जो कभी क्रांति के नायक थे।
वे लगे भटकने खुद विधि से,
जो रह गए कभी विधायक थे।
त्यागी उनने रथ वल्गाएं,
जो खुद गीता के गायक थे।
वे भी अब टिकट जुगाड़ हैं,
जो बिल्कुल ही नालायक थे।।

निरीक्षण

15 दिसंबर 2025 को जारी इस तस्वीर में नौसेना उपप्रमुख (वाइस चीफ ऑफ द नेवल स्टाफ) वाइस एडमिरल संजय वात्सायन तेलंगाना दौरे के दौरान एक नौसैनिक परियोजना का निरीक्षण करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

राष्ट्रपति पुतिन ने भारत के साथ अहम सैन्य समझौते को संघीय कानून के तौर पर मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को भारत के साथ इस साल की शुरुआत में हुए एक अहम सैन्य समझौते को संघीय कानून के तौर पर मंज़ूरी दे दी, जिसे रूसी संसद के दोनों सदनों ने पहले ही पास कर दिया था।

दोनों देशों के बीच रसद समर्थन के आपसी आदान-प्रदान (रेलोस) समझौते को दो दिसंबर को स्टेट ड्यूमा (निचले सदन) और 8 दिसंबर को काउंसिल ऑफ़ फेडरेशन (ऊपरी सदन) ने मंज़ूरी दे दी थी।

इस समझौते को राष्ट्रपति की मंज़ूरी के लिए भेजा गया था ताकि इसे संघीय कानून बनाया जा सके।

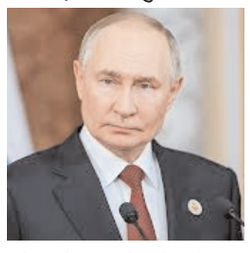

रेलोस समझौते में रूस की सैन्य फॉर्मेशन, युद्धपोतों और सैन्य विमानों को भारत भेजने तथा भारत की ओर से भी ऐसा किए जाने, उनके आपसी रसद समर्थन के संगठन की प्रक्रिया तय की गई है। स्थापित प्रक्रिया का इस्तेमाल संयुक्त अभ्यासों, प्रशिक्षण, मानवीय सहायता, आपदा राहत प्रयासों और आपसी सहमति से तय किए गए अन्य मामलों में किया जाएगा।

रूसी कैबिनेट के 'एक्सप्लेनेटरी नोट' में बताया गया है कि यह समझौता न सिर्फ सैनिकों और उपकरणों को भेजने बल्कि उनकी रसद को भी विनियमित करेगा।

ड्यूमा की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक नोट में, रूसी मंत्रिमंडल ने कहा कि इस दस्तावेज़ की स्वीकारोक्ति से दोनों देशों के हवाई क्षेत्र का आपसी इस्तेमाल आसान होगा और रूसी तथा भारतीय युद्धपोतों के लिए 'पोर्ट कॉल' भी आसान हो जाएगी।

इसके अलावा, यह समझौता दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को मज़बूत करेगा।

दोनों देशों के बीच पुष्टि के दस्तावेजों के आदान-प्रदान के बाद यह अहम सैन्य समझौता लागू होगा।

नितिन नवीन ने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली/भाषा। नितिन नवीन ने सोमवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में पार्टी के नये राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया। इस दौरान, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

नवीन भाजपा के नये राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने के एक दिन बाद सोमवार दोपहर पटना से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। हवाई अड्डे पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा के कई अन्य नेताओं ने उनकी अगवानी की। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में मंत्री रहे नवीन (45) को रविवार को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। माना जा रहा है कि वह अंततः नड्डा के उत्तराधिकारी के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। भाजपा नेताओं ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक दिवंगत नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बेटे नितिन नवीन एक तेज-तर्रार, वैचारिक रूप से दृढ़ और संगठन के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखने वाले व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से भी जुड़े रहे। पांच बार विधायक रह चुके नवीन पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह बिहार सरकार में दो बार मंत्री के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि बिहार के मंत्री और छत्तीसगढ़ के पार्टी प्रभारी के रूप में नवीन का कार्यकाल उत्कृष्ट रहा, जिसमें संगठन का प्रभावशाली नेतृत्व करने की उनकी क्षमता उभरकर सामने आई।

'वोट चोरी' कांग्रेस का मुद्दा, 'इंडिया' गठबंधन का इससे कोई लेना-देना नहीं : उमर

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस द्वारा उठाए गए वोट चोरी के मुद्दे से सोमवार को खुद को अलग कर लिया और कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया का इससे कोई लेना-देना नहीं है। इससे एक दिन पहले कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयुक्तों पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वोट चोरी सत्ताधारी पार्टी के डीएनए में है और उसके नेता गद्दार हैं जो लोगों के मतदान के अधिकार को छीनने की साजिश रच रहे हैं और उन्हें सत्ता से हटाया जाना चाहिए।

अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') गठबंधन में एक घटक है। लोकसभा में विपक्षी सांसदों की संख्या के हिसाब से कांग्रेस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है। कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे वोट चोरी और कथित चुनावी अनियमितताओं के मुद्दे पर टिप्पणी करने के लिए कहे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा, 'इंडिया' गठबंधन का इससे कोई लेना-देना नहीं है। हर राजनीतिक दल को अपना एजेंडा तय करने की स्वतंत्रता है। कांग्रेस ने 'वोट चोरी' और एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) को अपना मुख्य मुद्दा बनाया है। हम उन्हें कुछ कहने वाले कौन होते हैं? कांग्रेस ने दावा किया है कि उसने वोट चोरी के खिलाफ लगभग छह करोड़ हस्ताक्षर एकत्र किए हैं और वह इन्हें भारत के राष्ट्रपति को सौंपेगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो मालवाहक गाड़ियों में भीषण आग लगी, कोई जनहानि नहीं

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में सोमवार को एक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़ी दो मालवाहक गाड़ियों में भीषण आग लग गई और इसमें दोनों वाहन जलकर खाक हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ, हालांकि इससे राजमार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) उमाकांत चौधरी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर मानपुर कस्बे में आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़ी एक मालवाहक गाड़ी में आग लग गई जिसमें 'ऑयल पेंट' बनाने में इस्तेमाल होने वाला रसायन लदा था। उन्होंने बताया, ''आग की विकराल लपटों ने इस गाड़ी के पीछे खड़े एक अन्य मालवाहक वाहन को भी देखते ही देखते अपनी जद में ले लिया। दूसरे मालवाहक वाहन में प्लास्टिक के दाने लदे थे जिससे आग ने और भीषण रूप अख्तियार कर लिया।'' डीएसपी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात रोककर आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि अग्निकांड में दोनों वाहन पूरी तरह जल गए और इसमें कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ।

हैदराबाद में तेज रफ्तार कार की टक्कर से एमबीबीएस छात्रा की मौत, पिता घायल

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में सोमवार को सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार कार के टक्कर मारने से एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा की मौत हो गई और उसके पिता घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह हादसा सुबह करीब सात बजे हुआ, जब महबूबनगर जिले के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही 19 वर्षीय युवती अपने पिता के साथ कॉलेज जाने वाली बस में सवार होने के लिए हयातनगर में सड़क पार कर रही थी।

हयातनगर थाने के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तेज रफ्तार से आ रही कार से उन्हें टक्कर लगी, जिसके बाद चालक चालक तेजी से वाहन लेकर भाग गया। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में छात्रा को सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल हुए उसके 50 वर्षीय पिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृत छात्रा के परिवार के एक सदस्य द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

भू-राजनीतिक तनाव के कारण सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को कहा कि सोने और चांदी की कीमतों में हालिया उछाल का मुख्य कारण भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि और वैश्विक विकास को लेकर अनिश्चितता है, जिससे सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सोने और चांदी जैसी बहुमूल्य धातुओं की घरेलू कीमतें मुख्य रूप से उनकी प्रचलित अंतरराष्ट्रीय कीमतों अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की विनिमय दर और लागू करों/शुल्कों द्वारा निर्धारित होती हैं। उन्होंने कहा, ''कीमतों में हालिया उछाल काफी हद तक बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक विकास को लेकर अनिश्चितता के कारण है, जिसने सुरक्षित निवेश की मांग को बढ़ावा दिया है। इसमें दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों और प्रमुख संस्थानों द्वारा सोने की पर्याप्त खरीद शामिल है।''

चौधरी ने यह भी कहा कि यद्यपि चालू वर्ष में सोने और चांदी की कीमतों में वृद्धि देखी गई है, लेकिन इन बहुमूल्य धातुओं पर सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक निर्भरता के स्तर के आधार पर विभिन्न राज्यों या जनसंख्या समूहों पर इसका अलग-अलग प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि सोने-चांदी की दोहरी भूमिका होती है, ये न केवल उपभोग की वस्तु हैं, बल्कि निवेश का एक साधन भी हैं, क्योंकि इन्हें अनिश्चितताओं से बचाव के लिए सुरक्षित संपत्ति माना जाता है।

मंत्री ने कहा कि इस प्रकार सोने या चांदी की कीमत में वृद्धि से घरेलू संपत्ति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि मौजूदा सोने या चांदी के भंडार का काल्पनिक मूल्य बढ़ जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कीमती धातुओं की कीमतें बाजार द्वारा निर्धारित होती हैं और सरकार मूल्य निर्धारण में शामिल नहीं होती है।

भारत ने चालू वित्त वर्ष में सितंबर तक 26.51 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का सोना और 3.21 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की चांदी आयात की।

सरकार हवाई किराए में हो रही बढ़ोतरी को गंभीरता से ले रही : राममोहन नायडू

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार हवाई किराए में हो रही बढ़ोतरी के मुद्दे को गंभीरता से ले रही है और इस तरह के मनमाने किरायों को रोकना चाहती है। इसके लिए वह डीजीसीए की किराया निगरानी इकाई को मजबूत बना रही है।

नायडू ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि हवाई किराए में बढ़ोतरी आमतौर पर इसलिए होती है क्योंकि यह विनियमित क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि हवाई यात्रा में सीआईएसएफ सहित कई हितधारक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि यात्रियों को हर स्तर पर कोई परेशानी नहीं हो और हवाई यात्रा सुचारू हो। मंत्री ने कहा, ''मंत्रालय इस मुद्दे (हवाई किराए) को गंभीरता से ले रहा है। डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) की किराया निगरानी इकाई को और मजबूत बनाया जा रहा है। हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों पर निगरानी बढ़ा रहे हैं। सरकार मनमाने किरायों पर रोक लगाना चाहती है।

नायडू ने कहा कि हवाई किरायों में बढ़ोतरी आम तौर पर इसलिए होती है क्योंकि यह विनियमित क्षेत्र नहीं है और मांग और आपूर्ति में असंतुलन है। उन्होंने कहा कि जब मांग बहुत अधिक हो जाने पर तो कीमतें बढ़ने लगती हैं।

एनएचएआई ने कोहरे में राजमार्गों को सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सर्दियों के मौसम में कोहरे की वजह से दृश्यता कम होने की समस्या को ध्यान में रखते हुए राजमार्गों का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए कई उपाय किए हैं। सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी गई।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, इन सुरक्षा उपायों को दो श्रेणियों- 'इंजीनियरिंग' और 'सुरक्षा जागरूकता' में विभाजित किया गया है। इंजीनियरिंग उपायों के तहत राजमार्गों पर वाहन संचालन संबंधी क्षतिग्रस्त संकेतों और सड़क पर लगे छोटे चिन्हों को सुव्यवस्थित करना, फीके या बदरंग हो चुके निशानों की मरम्मत, रोशनी परावर्तित करने वाले चिन्हों एवं धातु बीम के टक्कर-रोधी बैरियर जैसे सुरक्षा उपकरणों पर चमकदार पीले स्टिकर लगाना शामिल हैं। इनके अलावा राजमार्गों के निर्माणाधीन क्षेत्रों में बैरिकेड लगाने और रास्ता बदलने के संकेत जैसे सुरक्षा उपाय भी राजमार्गों पर किए गए हैं। वहीं, सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को कम दृश्यता के बारे में सचेत करने वाले कदम उठाए गए हैं। इनमें इलेक्ट्रॉनिक साइनबोर्ड पर 'कोहरे की स्थिति संबंधी अलर्ट' और गति सीमा प्रदर्शित करना, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के जरिए चेतावनी देना, इलेक्ट्रॉनिक बिलबोर्ड, रेडियो एवं सोशल मीडिया पर सार्वजनिक सूचना प्रसारित करना शामिल है। बयान के मुताबिक, एनएचएआई के फील्ड कार्यालयों को साप्ताहिक आधार पर रात में राजमार्गों का निरीक्षण करने और अतिरिक्त जरूरी इंतजामों के लिए स्थानों की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, घने कोहरे वाले इलाकों में हाईवे पेट्रोल वाहन भी तैनात किए जाएंगे, जिनमें यातायात संबंधी मार्गदर्शन के लिए ब्लिंकिंग बैटन होंगे। अधिकारी और कार्यकर्ता सुरक्षा गतिविधियों के दौरान रोशनी परावर्तित करने वाली जैकेट पहनेंगे। एनएचएआई ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य सर्दियों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटनाओं की आशंका को कम करना और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पहलगाम हमला : एनआईए ने पाकिस्तान में बैठे आका और छह अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मामले में सोमवार को सात आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, जिनमें पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटीटी) और उसके मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के सदस्य और पड़ोसी देश में मौजूद उनका आका भी शामिल हैं।

आरोपपत्र में पाकिस्तान की साजिश, आरोपियों की भूमिका और मामले को साबित करने में सहायक साक्ष्यों का विस्तृत विवरण दिया गया है और इसमें प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ को पहलगाम हमले की साजिश रचने, साजो-सामान मुहैया कराने और उसे अंजाम देने में उसकी भूमिका के लिए एक कानूनी इकाई के तौर पर आरोपित किया गया है। पहलगाम हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टू संचालक मारे गए। आतंकवाद रोधी एजेंसी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, ''पाकिस्तान में बैठे आका साजिद जट्ट को भी जम्मू स्थित विशेष एनआईए न्यायालय में दाखिल 1,597 पृष्ठों के आरोपपत्र में बतौर आरोपी नामजद किया गया है।''

एनआईए द्वारा दाखिल आरोप पत्र में उन तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों के नाम भी शामिल हैं, जिन्हें घातक आतंकी हमले के 99 दिन बाद 29 जुलाई को श्रीनगर के दाचीगाम में 'ऑपरेशन महादेव' के दौरान सेना ने मार गिराया था। तीनों की पहचान फैसल जट्ट उर्फ सुलेमान शाह, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। एनआईए ने अपने आरोपपत्र में आरोपियों के खिलाफ भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की धारा भी लगाई है।

दलबदल कानून में सुधार हो, जनादेश का सम्मान जरूरी : विपक्ष

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को कई विपक्षी दलों के सदस्यों ने दलबदल विरोधी कानून में सुधार की मांग करते हुए जनादेश का सम्मान किए जाने की जरूरत पर जोर दिया।

चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में चर्चा में भाग लेते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के के.आर. सुरेश रेड्डी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जॉन ब्रिटास ने कहा कि चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा न करना मतदाता के साथ शाब्दिक रूप से धोखाधड़ी के समान है और यह दलबदल चुनावों की शुचिता पर सवाल खड़े करता है। रेड्डी ने कहा कि दो बड़े संवैधानिक संशोधनों के बावजूद भारतीय लोकतंत्र जिस सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है, वह दलबदल विरोधी व्यवस्था ही है। उन्होंने कहा कि वोट डालने के बाद मतदाता की भूमिका खत्म नहीं हो जाती, उन्होंने कहा, हमें मतदाता का सम्मान करना होगा। आज जैसे ही चुनाव खत्म होता है, उसके बाद ड्रामा शुरू हो जाता है। बीआरएस सांसद ने अफसोस जताते हुए कहा कि विशेषकर छोटे राज्यों में, जब विधायकों की संख्या कम होती है, एक 'खेल' शुरू हो जाता है जिसका नाम दल-बदल है।

रेड्डी ने जोड़ा कि उनकी पार्टी बीआरएस दलबदल विरोधी कानूनों में सुधार की मांग करती रही है।

दलबदल विरोधी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने एक संसदीय समिति के गठन का सुझाव दिया, जो लगातार दलबदल पर नजर रखे, यह देखे कि दलबदल किस तरह विकसित हो रहा है और उसे रोकने के तरीके और उपाय तलाशे। उन्होंने कहा कि जो विधायक दलबदल करते हैं, वे उस पार्टी के घोषणापत्र में किए गए वादों पर खरे नहीं उतरते, जिसके टिकट पर वे चुने गए थे।

रेड्डी ने कहा, चुनावी घोषणापत्र में आसमान के वादे करना और कुछ भी न देना, शाब्दिक रूप से मतदाता के साथ धोखाधड़ी है और मेरी राय में यही असली 'वोट चोरी' है।

गैंगस्टर से आतंकी बने दो लोगों को गिरफ्तार किया गया: डीजीपी

चंडीगढ़/भाषा। गैंगस्टर से आतंकी बने दो लोगों को केंद्रीय एजेंसियों की सहायता से चलाए गए अंतरराज्यीय अभियान में मुंबई में गिरफ्तार किया गया। दोनों विदेश से अपनी गतिविधियां संचालित करते थे और पंजाब में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि साजन मसीह और मनीष बेदी आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा और गैंगस्टर हैप्पी पासियन के महत्वपूर्ण सहयोगी हैं। रिंदा पाकिस्तान में है जबकि पासियान अमेरिका में हिरासत में है।

डीजीपी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा आतंकवाद और संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई में गैंगस्टर से आतंकी बने दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। वे दुबई और आर्मेनिया सहित विदेश से अपनी गतिविधियों का संचालन करते थे और पंजाब में आपराधिक और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का प्रयास कर रहे थे। वीडियो संदेश में और जानकारी देते हुए डीजीपी ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से चलाए गए खुफिया और अंतरराज्यीय अभियान में मसीह और बेदी को मुंबई से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि मसीह गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक का रहने वाला है, जबकि बेदी अमृतसर का निवासी है। डीजीपी ने कहा कि दोनों दुबई से आर्मेनिया चले गए थे और उन्होंने कुछ अन्य देशों में भी अपना ठिकाना बनाया था। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा, दोनों पाकिस्तान स्थित और आईएसआई समर्थित (पाकिस्तान स्थित आतंकवादी) हरविंदर सिंह रिंदा और अमेरिका में हिरासत में लिए गए (गैंगस्टर) हैप्पी पासियन के महत्वपूर्ण सहयोगी थे। हत्याओं, जबरन वसूली, डेरा बाबा नानक, बटाला में हुए हमलों और अमृतसर में हुए ग्रेनेड हमलों सहित कई अपराधों में इनकी संलिप्तता रही है। उन्होंने दोनों की गिरफ्तारी को पंजाब पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता बताया।

जीएसटी कटौती से खुदरा ऋण मांग बढ़ी, युवा कर्ज लेने में सतर्क : सिबिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। जीएसटी दरों में सुधार से खुदरा ऋण की मांग को बढ़ावा मिला है, लेकिन युवा वर्ग कर्ज लेने में सतर्क दिखाई दे रहे हैं। क्रेडिट सूचना कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। ट्रांसयूनियन सिबिल ने कहा कि सितंबर में समाप्त तिमाही के दौरान संपत्ति के बदले सूक्ष्म ऋण और दोपहिया वाहन ऋण खंड में चूक के मामलों में वृद्धि हुई है।

कंपनी ने अपनी तिमाही रिपोर्ट में कहा, ''जीएसटी 2.0 के लागू होने के बाद खुदरा ऋण मांग में तेजी आई है, खासकर वाहन और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में ऐसा हुआ है।'' कर्ज लेने के लिए पूछताछ की संख्या के लिहाज से 26 से 35 वर्ष आयु वर्ग के लोगों की हिस्सेदारी 38 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 40 प्रतिशत थी। इसी तरह 25 वर्ष से कम आयु के लोगों में भी इस तिमाही के दौरान ऋण मांग में कमी देखी गई। कंपनी ने कहा कि इस वर्ग से आने वाली पूछताछ सालाना आधार पर 20 प्रतिशत से घटकर 19 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट में कहा गया कि 36 से 55 वर्ष आयु वर्ग के वरिष्ठ उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी सितंबर तिमाही में बढ़ी है। वित्तीय संस्थान कर्ज देने में मौजूदा ग्राहकों को प्राथमिकता दे रहे हैं। परिसंपत्ति गुणवत्ता के लिहाज से दोपहिया वाहन ऋण में 90 दिनों से अधिक की बकाया राशि वाले मामलों में 0.22 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उद्यमियों द्वारा लिए जाने वाले सूक्ष्म ऋणों में यह आंकड़ा 0.45 प्रतिशत बढ़कर 3.3 प्रतिशत हो गया।

छोटे मूल्य वाले नोटों की भारी किल्लत, लोगों को हो रही दिक्कत: रिजर्व बैंक कर्मचारी संघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। अखिल भारतीय रिजर्व बैंक कर्मचारी संघ (एआईआरबीईए) ने छोटे मूल्य वाले नोटों की देशभर में 'गंभीर किल्लत' पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि इससे आम लोगों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है और छोटे कारोबार भी प्रभावित हो रहे हैं।

एआईआरबीईए ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भेजे एक पत्र में दावा किया कि 10, 20 और 50 रुपए के नोट की उपलब्धता देश के कई हिस्सों, खासकर कस्बों एवं ग्रामीण इलाकों में लगभग नगण्य है। हालांकि इन इलाकों में 100, 200 और 500 रुपए के नोट आसानी से मिल रहे हैं। कर्मचारी संघ ने आरबीआई के मुद्रा प्रबंधन विभाग के प्रभारी डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर को लिखे पत्र में कहा कि एटीएम से निकलने वाले अधिकतर नोट उच्च मूल्य के ही होते हैं। इसके अलावा बैंकों की शाखाएं भी ग्राहकों को छोटे मूल्य के नोट नहीं उपलब्ध करा पा रही हैं। रिजर्व बैंक कर्मचारियों के संगठन ने कहा कि ऐसी स्थिति में लोगों को स्थानीय परिवहन, किराने की खरीद और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए नकद में लेनदेन कर पाना खासा मुश्किल हो गया है। एआईआरबीईए ने कहा कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिए जाने के बावजूद चलन में मौजूद कुल मुद्रा लगातार बढ़ रही है।

कर्मचारी संघ के मुताबिक, डिजिटल भुगतान रोजमर्रा की जरूरतों के लिए नकद पर निर्भर बड़ी आबादी का पूरी तरह विकल्प नहीं बन सकता है।

इसके अलावा छोटे मूल्य वाले नोटों की जगह सिक्कों के उपयोग की कोशिशें भी पर्याप्त उपलब्धता न होने के कारण सफल नहीं हो पाई हैं।

एआईआरबीईए ने इस मामले में केंद्रीय बैंक से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि वाणिज्यिक बैंकों और आरबीआई काउंटरों के जरिये छोटे मूल्य के नोटों का पर्याप्त प्रसार सुनिश्चित किया जाए।

इसके अलावा, सिक्कों के व्यापक प्रचलन के लिए 'कॉइन मेला' दोबारा शुरू करने का सुझाव भी दिया गया है। सिक्कों के इस मेले को पंचायतों, सहकारी संस्थाओं, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और स्वयं सहायता समूहों के साथ मिलकर आयोजित किया जा सकता है।

जालंधर के विद्यालयों में बम की धमकी, परिसरों को खाली कराया गया

जालंधर/भाषा। जालंधर के कई विद्यालयों में बम की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया और प्राधिकारियों ने छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला एवं सुरक्षा उपायों को लागू करने की कार्रवाई की। एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। एक अभिभावक ने पत्रकारों से कहा, ''हमें बताया गया था कि बिजली संबंधी कुछ गड़बड़ी हुई है और हमें अपने बच्चों को स्कूल से लेने के लिए कहा गया।'' केएमवी स्कूल में मौजूद सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) (उत्तर) संजय कुमार ने कहा, स्कूल के प्रधानाचार्य के ईमेल पर धमकी मिली थी कि इमारत को बम से उड़ा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने स्कूल परिसर की तलाशी ली। कुमार ने कहा, विध्वंस रोधी दल ने भी परिसर की जांच की, लेकिन अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि अन्य विद्यालयों को भी बम संबंधी इसी तरह की धमकियां मिली हैं। एसीपी ने कहा कि साइबर पुलिस की टीम ईमेल के स्रोत का पता लगा रही हैं। इससे पहले 12 दिसंबर को अमृतसर के कई विद्यालयों में बम की धमकी मिली थी, जो बाद में फर्जी साबित हुई।

कर्नाटक विधानसभा ने वरिष्ठ सदस्य शमनुर शिवशंकरप्पा के निधन पर शोक व्यक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक विधानसभा ने अपने वरिष्ठ सदस्य शमनुर शिवशंकरप्पा (94) के निधन पर सोमवार को शोक व्यक्त किया और सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी। पूर्व मंत्री शिवशंकरप्पा दावणगेरे दक्षिण सीट से विधायक थे। उनका रविवार को बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था।

विधानसभा अध्यक्ष यू. टी. खादर ने अपने शोक संदेश में शिवशंकरप्पा को एक उद्यमी के रूप में याद किया, जिन्होंने 1969 में दावणगेरे नगर परिषद के सदस्य के रूप में सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की थी। खादर ने बताया कि वह पहली बार 1994 में दावणगेरे सीट से विधायक निर्वाचित हुए। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज सहित कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना के माध्यम से उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया। उन्होंने सामाजिक जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी अमिट छाप छोड़ी। वह जीवन के प्रति अपने असीम उत्साह और लोगों से स्नेह और उनकी गहरी परवाह करने वाले के रूप में जाने जाते थे।

उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शिवशंकरप्पा को 'अजातशत्रु' बताया क्योंकि वह सभी के प्रिय थे। सिद्दरामय्या ने कहा, शमनुर शिवशंकरप्पा के अच्छे कार्यों के कारण दावणगेरे की ख्याति बढ़ी। वह दावणगेरे के ब्रांड थे। मुख्यमंत्री ने कोविड-19 महामारी के दौरान उनके योगदान को याद किया, जब उन्होंने छह करोड़ रुपये मूल्य की ऑक्सीजन मुफ्त में उपलब्ध कराई थी।

नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने कहा कि शंकरप्पा सदन के सबसे वरिष्ठ सदस्य थे। अशोक ने कहा, वह जीवंत व्यक्ति थे और एक बार मुझसे कहा था कि उनके लिए सेवानिवृत्ति की कोई उम्र नहीं हैं और अगला विधानसभा चुनाव भी लड़ेंगे। भाजपा नेता ने दावणगेरे को एक प्रमुख शिक्षा केंद्र में बदलने के लिए भी उन्हें याद किया।

भाजपा के वरिष्ठ विधायक एस सुरेश कुमार ने भी उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया, जिन्होंने दावणगेरे को 'विद्या काशी' (ज्ञान की तलाश करने वालों के लिए एक तीर्थ केंद्र) में बदल दिया। विधान परिषद में भी शमनुर शिवशंकरप्पा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सदन को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

वहीं विधान परिषद में भी पूर्व लोकसभा सदस्य, पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया। अध्यक्ष बसवराज होर्राट्टी ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। शोक प्रस्ताव पर सदन के नेता, मंत्री एन.एस. भोसराजू, विपक्ष के नेता चलुवाड़ी टी. नारायण स्वामी, ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर, खाद्य एवं नागरिक मामलों के मंत्री केएच मुनियप्पा, सदस्य एस.एल. भोजेगौड़ा, रविकुमार, सीटी रवि, इवान डिसूजा, प्रदीप शेट्टार, एम. नागराज, पीएच पूजार और मंजुनाथ भंडारी ने अपने विचार व्यक्त किए। सदन के सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्मा के सम्मान में एक मिनट का मौन रखा। दिन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा का शीतकालीन सत्र एक सप्ताह बढ़ाने के लिए अध्यक्ष को लिखा पत्र

बेलगावी। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने सोमवार को अध्यक्ष यू टी खादर को पत्र लिखकर सदन के मौजूदा शीतकालीन सत्र को एक सप्ताह बढ़ाने का अनुरोध किया। अशोक ने पत्र में कहा कि राज्य से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा करने और उनके समाधान खोजने की आवश्यकता है।

आठ दिसंबर को शुरू हुआ यह सत्र इस महीने की 19 तारीख तक चलेगा। उन्होंने संभवत आठ और 15 दिसंबर को सदन की कार्यवाही स्थगित करने की ओर इशारा करते हुए कहा, बेलगावी में 8 से 19 दिसंबर तक शीतकालीन सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन कुछ कारणों से सत्र की अवधि दो दिन कम कर दी गई। सदन की कार्यवाही पांच और 15 दिसंबर को क्रमश: विधायक एच वाई मेती और समनुर शिवशंकरप्पा के निधन पर शोक व्यक्त करने के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई थी।

यदि 'वोट चोरी' के आरोप लगाना जारी रखा तो विपक्ष को चुनावी पराजय का सामना करना पड़ेगा : देवेगौड़ा

नई दिल्ली/बेंलूगरु पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने सोमवार को राज्यसभा में विपक्षी दलों को आगाह किया कि यदि वे 'वोटी चोरी' के आरोपों को जारी रखते हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर दोषारोपण कर मतदाताओं के मन में सन्देह पैदा करते हैं तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ेगा। चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में चर्चा में भाग लेते हुए जनता दल (एस) प्रमुख देवेगौड़ा ने कहा कि विपक्ष प्रधानमंत्री का सड़कों और सार्वजनिक मंचों पर मजाक उड़ा रहा है। उन्होंने कहा, यह (भारत) बहुत बड़ा देश है। कांग्रेस तीन राज्यों (के शासन) में हो सकती है। मेरे मित्र इस बात को कृपया ध्यान में रखिए कि वोट चोरी शब्द का इस्तेमाल कर आपको आने वाले दिनों में नुकसान उठाना पड़ेगा। आप (चुनावी) मुकाबला नहीं जीत सकते। जद(एस) प्रमुख देवेगौड़ा ने कहा कि उन्होंने सात बार विधानसभा एवं चार बार लोकसभा चुनाव जीता। उन्होंने कहा कि उन्हें तीन बार कांग्रेस के प्रत्याशी ने हराया किंतु उन्होंने कभी इस बात की शिकायत नहीं की कि कांग्रेस ने उन्हें जोड़तोड़ करके हराया।

उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के एक पत्र का संदर्भ दिया जिसमें उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री नंबूदरीपाद के शासनकाल में 18 हजार मतदाताओं को शामिल करने को कहा था। देवेगौड़ा ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची में लोगों के नाम हटाये जाने और शामिल करने के मुद्दे पर काफी विवाद हुआ था। उन्होंने कहा कि लोगों को इस चुनाव के परिणामों पर स्वयं विचार करना चाहिए क्योंकि कांग्रेस को इसमें मात्र छह सीटें मिलीं।

उन्होंने कहा कि आज विपक्ष के लोग प्रधानमंत्री का सड़कों और विभिन्न मंचों पर मजाक बना रहे हैं और प्रधानमंत्री के पद के महत्व को कमतर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस नेता इंदिरा गांधी एवं राजीव गांधी को भारी बहुमत मिला था तो उनके साथ विपक्ष ने कभी ऐसा नहीं किया था।

देवेगौड़ा ने कहा कि विपक्ष के लोग नारा लगा रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी एवं जद (एस) लोकतंत्र पर प्रहार कर रहे हैं', लोकतंत्र खतरे हैं' किंतु जनता को इनके नारों की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ है और उनका पूरा समर्थन कर रही है।

'दपरे' ने टिकट चेकिंग मामलों और कमाई में ज़बरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने अपने पूरे क्षेत्र में टिकट चेकिंग और लागू करने के तरीकों को मज़बूत किया है, जिससे बिना टिकट और गलत तरीके से यात्रा करने वालों का पता लगाने में काफी बढ़ोतरी हुई है और मौजूदा वित वर्ष में राजस्व में भी काफी बढ़ोतरी हुई है।

चालू वित्त वर्ष में नवंबर 2025 के महीने में, दपरे ने 67000 टिकट चेकिंग मामले पकड़े, जिससे

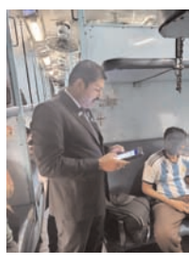

5.36 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त किया। यह गत नवंबर 2024 की तुलना में मामलों की संख्या में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी और राजस्व में 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जब 54000 मामले पकड़े गए थे और 3.35 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। दपरे ने चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 30 नवंबर तक की कुल अवधि के लिए, दपरे ने 5.57 लाख टिकट चेकिंग मामले दर्ज किए, जिसमें कुल कमाई 45.89 करोड़ रुपए रही। यह बेहतर परफॉर्मेंस स्टेशनों और ट्रेनों में लगातार चलाए जा रहे टिकट चेकिंग अभियान, खास जांच और अचानक चेकिंग का नतीजा है। इन पहलों का मकसद बिना इजाज़त यात्रा को रोकना और रेलवे नियमों का पालन सुनिश्चित करना है, जिससे यात्रियों की सुविधा और ऑपरेशनल क्षमता बढ़े। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने सभी रेलवे यात्रियों से वैध टिकट लेकर यात्रा करने की सलाह दी है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या शामनूर शिवशंकरप्पा को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

दावणगेरे में शामनूर शिवशंकरप्पा की अंतिम यात्रा का एक दृश्य।

शामनूर शिवशंकरप्पा का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने सोमवार को 94 वर्षीय कांग्रेस विधायक शामनूर शिवशंकरप्पा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ कियाय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता का रविवार को बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था।

उनका पार्थिव शरीर सोमवार को उनके पैतृक स्थान दावणगेरे लाया गया। सूत्रों के अनुसार, लोगों, उनके समर्थकों और शुभचिंतकों द्वारा अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पार्थिव शरीर को हाई स्कूल के मैदान में रखा जाएगा और अंतिम संस्कार शाम को कल्लेश्वरा मिल परिसर में किया गया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने दावणगेरे पहुंचकर वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री शामनूर शिवशंकरप्पा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर बेलगावी से कई मंत्री, विपक्षी दलों के नेता, विधायक और राजनीतिक नेताओं के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। शिवशंकरप्पा दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे। वे कुछ समय से अस्पताल में भर्ती थे। सूत्रों के अनुसार, शिवशंकरप्पा कर्नाटक के सबसे वरिष्ठ विधायक हैं और देश के सबसे वरिष्ठ विधायकों में से एक हैं। शिवशंकरप्पा के तीन बेटे और चार बेटियां हैं। कर्नाटक के खान, भूविज्ञान और बागवानी मंत्री एस एस मल्लिकार्जुन उनके पुत्र हैं। उनकी पुत्रवधू प्रभा मल्लिकार्जुन दावणगेरे से संसद सदस्य हैं।

छह बार विधायक रहे शिवशंकरप्पा मंत्री और सांसद भी रह चुके थे। वे एक प्रख्यात शिक्षाविद थे, जिन्होंने कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना की और वह उद्योगपति भी थे। उन्होंने दशकों तक कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कोषाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया था और वे प्रभावशाली वीरशैव-लिंगायत समुदाय की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय वीरशैव महासभा के अध्यक्ष थे।

दावणगेरे में शमनूर शिवशंकरप्पा को श्रद्धांजलि देने पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

नेशनल हेराल्ड प्रकरण

शिवकुमार दिल्ली पुलिस से पेश होने के लिए अगले सप्ताह का वक्त मांगेंगे

नई दिल्ली/बेंगलूरु। दक्षिण भारत । कर्नाटक के उपमुख्मंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि वह नेशनल हेराल्ड मामले की जांच के तहत आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए दिल्ली पुलिस के समक्ष पेश होने हेतु उससे अगले सप्ताह का सम ंगेंगे। उन्होंने कहा कि वह कर्नाटक विधानसभा का मौजूदा शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर को समाप्त होने के बाद का सय ंगेंगे। उन्होंने कहा कि वह दिल्ली पुलिस से प्राथमिकी की प्रति उपलब्ध कराने का भी अनुरोध करेंगे। सोमवार को दोपहर तक उपमुख्यंत्री नई दिल्ली में थे।ङ्कउपमुख्मंत्री ने पहले कहा था कि वह सोमवार को दिल्ली पुलिस के सामने पेश होंगे। लेकिन, उन्होंने यह योजना स्थगित कर दी ताकि वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामनूर शिवशंकरप्पा के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए कर्नाटक वापस जा सकें, जो दिन में बाद में दावणगेरे में निर्धारित है। शिवकुमार ने नयी दिल्ली में पत्रकारों से कहा, ''मुझे (दिल्ली पुलिस के सामने पेश होने के लिए) जाना था, लेकिन मुझे तत्काल वापस जाना होगा। मैं उससे सम मांग रहा हूं और कह रहा हूं कि मैं अगले सप्ताह आऊंगा।''ङ्कउन्होंने कहा, ''दिल्ली

पुलिस ने ुझे नोटिस भेजते सय प्राथमिकी की प्रति संलग्न नहीं की। मुझे प्राथमिकी की प्रति चाहिए, क्योंकि हमने ईडी को सभी आवश्यक जवाब दे दिए हैं। प्राथमिकी में क्या लिखा है, मुझे ह नहीं पता है। मैंने सिर्फ अखबारों में पढ़ा है। उसने नोटिस भेजा है, मैं प्राथमिकी की प्रति मांगूंगा। मैं विधानसभा सत्र के बाद अगले सप्ताह आऊंगा।'' दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले की जांच के तहत वित्ती और लेनदेन संबंधी विवरण मांगने के लिए शिवकुमार को नोटिस जारी किया था। शिवकुमार कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष भी हैं।ङ्कआर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा जारी नोटिसें कहा गया है कि इस साल तीन अक्टूबर को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड प्रकरण में जो मामला दर्ज किा गया था, उस सिलसिले में शिवकुमार के पास महत्वपूर्ण जानकारी होने की 'संभावना' है। ईओडब्ल्यू ने 29 नवंबर को नोटिस जारी कर शिवकुमार को 19 दिसंबर तक उसके समक्ष पेश होने या मांगी गई जानकारी प्रदान करने के लिए कहा था। जांचकर्ताओं ने उनकी वक्तिगत पृष्ठभूि, कांग्रेस पार्टी के साथ उनके जुड़ाव और उनके या उनसे जुड़े संगठनों द्वारा कथित तौर पर यंग इंडियन को हस्तांतरित की गई धनराशि का पूरा ब्यौरा मांगा है।ङ्कमुख्मंत्री पद को लेकर मुख्मंत्री सिद्दरामय्या और उनकीच चल रही सत्ता की खींचतान के बीच कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा कि ज वह दिल्ली आते हैं, तो वह आमतौर पर सभी से मिलते हैं। शिवकुमार ने सवालिया लहजे में कहा, ''चाहे सुरजेवाला हों । खरगे (कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे) या वेणुगोपाल, मैं सबसे मिलूंगा। कल दोपहर के भोजन के दौरान मैं राहुल गांधी और सोनिया गांधी से मिला। मैं सबसे मिल चुका हूं।

बेंगलूरु में पुलिस अधिकारी बनकर लूट के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पुलिसकर्मी बनकर एक व्यक्ति से एक लाख रुपये से अधिक लूटने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह लूट सात दिसंबर को विद्यारण्यपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में हुई। बेंगलूरु के उत्तर पूर्वी मंडल के पुलिस उपायुक्त सजीत वीजे ने रविवार को बताया, एक व्यक्ति ने डकैती का मामला दर्ज कराया है जिसमें उसने कहा है कि सात दिसंबर को जब वह घर पर अकेला था, तो तीन लोग उसके घर आए और उनमें से एक ने पुलिस उप निरीक्षक की वर्दी पहनी हुई थी, जबकि अन्य दो ने खुद को कांस्टेबल बताया। उन्होंने उस व्यक्ति पर गांजा बेचने जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पीड़ित को धमकाया गया और उसके घर से 55,000 रुपये नकद और ऑनलाइन हस्तांतरण के माध्यम से 87,000 रुपये ले लिए। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने घर को खंगाला भी और उसका वीडियो भी बनाया। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है और इस संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक कार, एक दुपहिया वाहन और 45,000 रुपये नकद बरामद किए।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान मल्लिकार्जुन एस (27), प्रमोद वी (30) और विनय एच टी (36) के रूप में हुई है, जिन्होंने पुलिसकर्मी का भेष धारण किया और ऋत्विक पी (24) ने उनकी सहायता की।

7.71 करोड़ रुपये का गांजा जब्त

बेंगलूरु। सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने बेंगलूरु के केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बैंकॉक से आए तीन यात्रियों के पास से 22.04 किलोग्राम गांजा जब्त किया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए गांजे की कीमत लगभग 7.71 करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने जांच के दौरान पाया कि आरोपियों ने मादक पदार्थ को अपने सामान में छिपा रखा था, जिसके बाद उसे जब्त कर लिया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 16 से 22 तक कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना की यात्रा पर रहेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 22 दिसंबर तक कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना की यात्रा पर रहेंगी। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मंगलवार को मुर्मू कर्नाटक के मांड्या जिले के मालवल्ली में आदि जगद्गुरु श्री शिवरात्रीश्वर शिवयोगी महास्वामीजी के 1066वें जयंती समारोह का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति 17 दिसंबर को तमिलनाडु के वेल्लोर स्थित गोल्डन टेंपल में दर्शन और आरती में शामिल होंगी। इसके बाद वह शीतकालीन प्रवास के लिए सिकंदराबाद के बोलारम स्थित राष्ट्रपति निलयम पहुंचेंगी।

मुर्मू 19 दिसंबर को हैदराबाद में तेलंगाना लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के लिए एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। बयान में कहा गया, 20 दिसंबर को राष्ट्रपति हैदराबाद में ब्रह्म कुमारी शांति सरोवर द्वारा इसकी 21वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित 'भारत का शाश्वत ज्ञान : शांति और प्रगति के मार्ग' विषय पर एक सम्मेलन को संबोधित करेंगी।

फेसबुक पर दोस्ती के बाद कारोबारी से जबरन वसूली के आरोप में चार गिरफ्तार

मदिकेरी। सोशल मीडिया पर 'हनीट्रैप' के जरिए फंसाए गए 39 वर्षीय कारोबारी के साथ मारपीट करने, उसे बंधक बनाने और धन वसूलने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान रचना, मालती, दर्शन और रवि के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि 12 दिसंबर को कोडगु जिला मुख्यालय मदिकेरी में हुई इस घटना में शामिल अन्य संदिग्धों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। शिकायत के अनुसार, मंड्या जिले के मद्दूर तालुक निवासी कारोबारी की फेसबुक के माध्यम से रचना नामक एक महिला से दोस्ती हुई, जिसने बाद में वित्तीय सहायता मांगी और 28 नवंबर को फोनपे के माध्यम से उनसे 5,000 रुपये प्राप्त किए। जब उसने महिला से पैसे लौटाने को कहा, तो महिला ने कथित तौर पर उससे मैसूरु या कुशलनगर आने को कहा और उससे मिलने का वादा किया। पुलिस ने बताया कि महिला ने बाद में 12 दिसंबर को कारोबारी को मदिकेरी बुलाया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसे बंधक बना लिया गया, उसके कपड़े उतार दिए गए और उसका नग्न वीडियो रिकॉर्ड किया गया। उसने कहा कि आरोपियों ने कथित तौर पर उसे खिलौने वाली बंदूक से धमकाया, 50 लाख रुपये की मांग की और चेतावनी दी कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया जाएगा। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, मामले में दो महिलाओं सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार दो अन्य आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। मामले में जांच की जा रही है।

महिलाओं से छेड़छाड़ करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु में शाम के समय अकेले पैदल चलने या वाहन से आने-जाने वाली महिलाओं को कथित तौर पर निशाना बनाने और उनके साथ छेड़छाड़ करने के मामले में 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान विनोद टी के रूप में हुई है जो शहर में सैंडविच की दुकान पर काम करता था और कथित तौर पर एक महीने से अधिक समय से इस तरह के कृत्यों में शामिल था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी शाम के समय महिलाओं को निशाना बनाता था और जब उन्हें अकेले चलते या वाहन से आते-जाते देखता था तो अचानक उनके पास जाकर उन्हें कसकर गले लगा लेता या अनुचित तरीके से छूता और फिर अपने दोपहिया वाहन से मौके से फरार हो जाता था।

राजस्थान में ड्रग्स बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़, 100 करोड़ की सामग्री जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/जयपुर। महाराष्ट्र पुलिस के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ ने राजस्थान के झुंझुनू में मेफेड्रोन बनाने वाली एक फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने लगभग 100 करोड़ रुपए मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री, केमिकल और उपकरण जब्त किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार को मीरा भयंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस की मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) द्वारा छापा करने के बाद मादक पदार्थों की फैक्टरी से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

यह अभियान चार अक्टूबर को एएनसी टीम द्वारा खुफिया जानकारी के आधार पर की गई तलाशी के बाद शुरू किया गया था। ठाणे जिले में प्रारंभिक अभियान के दौरान एक करोड़ रुपए मूल्य का 501.6 ग्राम मादक पदार्थ (मेफेड्रोन), आठ मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिलें बरामद की गईं।

एमबीवीवी के पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि इसके बाद छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद काशीगांव थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने चार और लोगों को गिरफ्तार किया और 20 लाख रुपए मूल्य की मेफेड्रोन, दो चार पहिया वाहन, एक मोटरसाइकिल और छह मोबाइल फोन जब्त किए।

जांच के दौरान मिली महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर एमबीवीवी पुलिस की एक टीम को राजस्थान भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि रविवार को टीम ने झुंझुनू में एक फैक्टरी पर छापा मारा। वहां अनिल विजयपाल सिहाग नामक एक व्यक्ति कथित तौर पर अवैध रूप से मेफेड्रोन बना रहा था।

उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने लगभग 10 किलोग्राम प्रतिबंधित सामग्री, कुछ केमिकल और उपकरण जब्त किए, जिनकी कुल कीमत लगभग 100 करोड़ रुपए है। उन्होंने यह भी बताया कि फैक्टरी में पकड़े गए व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

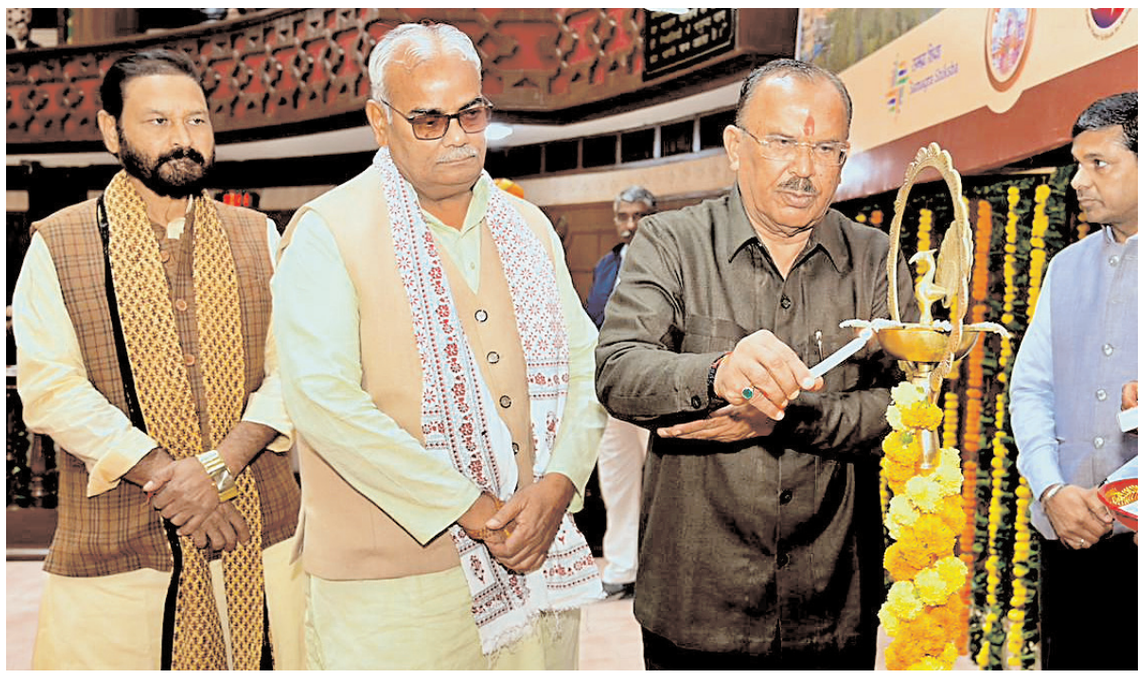

युवा शक्ति बदलते भारत की दिशा में नये आयाम स्थापित करें : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने युवाओं का आव्हान किया है कि वे अपनी स्वतंत्र सोच को मजबूत आवाज के साथ रखें। समस्या के साथ समाधान भी सुझाएं। विधान सभा कानून बनाने के साथ युवाओं को मुख्य धारा में लाने का सशक्त मंच भी है। युवा शक्ति को बदलते भारत की दिशा में नये आयामों के लिए भरपूर प्रयास करने होंगे। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष ने सोमवार को विधान सभा में प्रदेश के राजकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की एक दिवसीय युवा संसद का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ किया। युवा संसद में राजकीय विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 तक अध्ययनरत 41 जिलों के 164 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

देवनानी ने कहा कि युवा संसद समय के अनुकूल व्यापक सोच है। दुनिया बदल रही है। कौशल बदल रहे है। अवसर बदल रहे है। ऐसे समय में जीवन कौशल, वित्तीय साक्षरता, नैतिक मूल्य जैसे गुणों का युवाओं में विकास शैक्षणिक आवश्यकता के साथ सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि युवा लोकतांत्रिक शक्ति के सक्रिय वाहक है। जिन सीटों पर विधायक बैठतें है, उन पर भविष्य के विधायक, वैज्ञानिक, प्रशासक और जनप्रतिनिधि बैठे हुए है। यह प्रयास युवाओं को दर्शक नहीं बल्कि 21वीं सदी के विजेता बनाने का है।

देवनानी ने कहा कि पढ़ाई का दबाव, केरियर का तनाव, सोशल मीडिया का प्रभाव, तुलना की भावना, अकेलापन और प्रतिस्पर्धा ने युवाओं पर दबाव बनाया है। उन्होंने कहा कि मजबूत मन ही मजबूत निर्णय लेता है और यही जीवन में सफलता का आधार होता है। केरियर मार्ग दर्शन बहुत महत्वपूर्ण है।

दिशा मिल जाए तो औसत क्षमता वाला युवा भी शिखर पर पहुँच सकता है। प्रश्न पूछने वाला युवा ही परिर्वतन की मशाल जलाता है। विषय को समझे, उसका विश्लेषण करें और धैर्य के साथ निर्णय लें। देवनानी ने युवाओं से कहा कि सदन की समृद्ध परम्पराएं होती है। किसी बात का समर्थन करने पर मेज थपथपाई जाती है। संवाद में मर्यादा और स्पष्टता व संयमित भाषा का उपयोग किया जाता है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि विधान सभा के ऐतिहासिक भवन के सदन में युवाओं की उपस्थिति गौरव की अनुभूति करा रही है। युवा देश का भावी नेतृत्व है। उन्होंने कहा कि संवाद और सहभागिता सीखें। समन्वय के साथ लोकतन्त्र को मजबूत बनाये। दिलावर ने कहा कि युवाओं को शालीनता का परिचय देना होगा। दबाव व असमंजस से बचना होगा। उचित मार्ग दर्शन के साथ सफलता के शिखर पर पहुँचना होगा। विधान सभा अध्यक्ष की पहल पर विधान सभा के सदन में सोमवार को प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत 41 जिलों के 164 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस मौके पर राजस्थान विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल, राजस्थान विधान सभा के विशिष्ट सहायक के.के शर्मा सहित शिक्षा विभाग के अधिकारीगण और राजस्थान विधान सभा के अधिकारीगण मौजूद रहे।

राजस्थान विधान सभा में हो रहे युवा संसद में राज्य के विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर-किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं करियर मार्गदर्शन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक राज्य-स्तरीय काउंसलिंग कार्यक्रम प्रारंभ करने, प्रत्येक विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य एवं करियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ स्थापित करने, प्रशिक्षित काउंसलर की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नियमित परामर्श एवं करियर जागरूकता गतिविधियाँ संचालित करने हेतु शासन को अधिकृत करने का प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में बताया गया कि इस निर्णय से विद्यार्थियों में मानसिक स्थिरता, आत्मविश्वास एवं करियर चयन की स्पष्टता बढ़ेगी तथा विद्यालयी वातावरण अधिक सुरक्षित एवं सकारात्मक होगा।

मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर खराब मौसम के कारण आगरा में आपात स्थिति में उतरा

आगरा (उप्र)/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हेलीकॉप्टर सोमवार को मौसम खराब होने के कारण आगरा के खेरिया हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) प्रशांत तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर से राजस्थान के भरतपुर जा रहे थे, लेकिन खराब मौसम के कारण पायलट को हेलीकॉप्टर को आगरा की ओर मोड़ना पड़ा। हेलीकॉप्टर ने जयपुर से उड़ान भरी थी। अधिकारियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर दोपहर करीब साढ़े 12 बजे खेरिया हवाई अड्डे पर उतरा, जहां मुख्यमंत्री को लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। तिवारी ने बताया कि मौसम में सुधार होने के बाद हेलीकॉप्टर ने भरतपुर के लिए यात्रा फिर से शुरू की। राजस्थान के भरतपुर और उत्तर प्रदेश के आगरा के बीच करीब 60 किलोमीटर की दूरी है और दोनों की सीमाएं आपस में सटी हुई हैं।

राजस्थान में 300 मेगावाट की सौर परियोजना को बिजली पारेषण में कोई बाधा नहीं : एक्मे सोलर

नयी दिल्ली/जयपुर। नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक कंपनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि राजस्थान में उसकी 300 मेगावाट की सौर परियोजना के लिए पारेषण सुविधा उपलब्ध है और उसे बिजली पारेषण से जुड़ी किसी भी प्रकार की बाधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है। राज्य में कुछ सौर परियोजनाएं फिलहाल अस्थायी सामान्य नेटवर्क पहुंच (टी-जीएनए) ढांचे के तहत बिजली की आपूर्ति कर रही हैं, क्योंकि उनसे संबंधित पारेषण प्रणालियां अभी तक चालू नहीं हो पाई हैं। एक्मे को ऐसी किसी भी बाधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है। कंपनी ने कहा कि एक्मे सीकर सोलर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित उसकी 300 मेगावाट की सौर परियोजना को दीर्घकालिक पहुंच के लिए सामान्य नेटवर्क पहुंच (जीएनए) प्रभावशीलता की मंजूरी मिल चुकी है। यह अपनी पूरी 300 मेगावाट क्षमता का पारेषण कर रही है। यह परियोजना बीकानेर-2 सबस्टेशन से जुड़ी हुई है, कंपनी ने एक बयान में कहा, ''परियोजना को समर्पित पारेषण क्षमता का पूरा समर्थन प्राप्त है और यह पारेषण संबंधी बाधाओं के दायरे में नहीं आती।

कई इलाकों में रात के तापमान में गिरावट

जयपुर।राजस्थान में सर्दी का असर लगातार बना हुआ है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य के कई इलाकों में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार रात सीकर के फतेहपुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नागौर में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस, बीकानेर के लूणकरणसर में 6.0 डिग्री सेल्सियस और दौसा में 6.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, टोंक के वनस्थली में न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सिरोही और करौली में यह 8.1 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य की राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकांश हिस्सों में अगले दो दिनों तक न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है। इसके साथ ही राज्य के पूर्वी और पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं हल्का या मध्यम कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया गया है।

सीकर में नीट की तैयारी कर रहा 17 वर्षीय छात्र लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर । सीकर में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे एक कोचिंग छात्र के लापता होने का मामला सामने आया है। छात्र का मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्र की तलाश शुरू कर दी है। लापता छात्र की उम्र 17 वर्ष बताई जा रही है, जो दूसरे जिले का रहने वाला है। वह सीकर के पिपराली रोड स्थित एक कोचिंग संस्थान में नीट की तैयारी कर रहा था। जानकारी के अनुसार 9 दिसंबर की सुबह करीब 6:30 बजे छात्र कोचिंग से बिना किसी को बताए निकल गया। इसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। परिवार और परिचितों ने छात्र की काफी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। छात्र के पास मोबाइल फोन था, जो फिलहाल स्विच ऑफ आ रहा है। छात्र के भाई ने इस संबंध में पुलिस थाने में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज करवाया है।

पुलिस का कहना है कि छात्र की तलाश के लिए तकनीकी संसाधनों और अन्य संभावित माध्यमों का सहारा लिया जा रहा है। आसपास के इलाकों और संभावित स्थानों पर भी पूछताछ की जा रही है।

विधायक अनीता जाटव के खिलाफ पोस्टरबाजी; कमीशनखोर, गद्दी छोड़ के लगे पोस्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करौली। `करौली के हिंडौन सिटी में कांग्रेस विधायक अनीता जाटव के खिलाफ विवादित पोस्टर लगाए जाने का मामला सामने आया है। रविवार रात रेलवे स्टेशन मार्ग पर यह पोस्टर लगाया गया था, जिस पर विधायक की तस्वीर के ऊपर क्रॉस का निशान बनाया गया और उसके साथ लिखा थाकमीशनखोर, गद्दी छोड़। पोस्टर पर निवेदक के रूप में 'समस्त आम जनता, विधानसभा क्षेत्र- हिंडौन' का उल्लेख किया गया है। सोमवार सुबह लगभग 11 बजे यह पोस्टर हटा लिया गया। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका कि इसे किसने लगाया और हटाया।

एसडीएम और कार्यवाहक आयुक्त हेमराज गुर्जर ने कहा कि इस मामले की उन्हें जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि अगर शिकायत मिलती है तो इसकी जांच कराई जाएगी। उन्होंने इस मामले में फिलहाल संज्ञान लेने से परहेज किया। इस पोस्टर विवाद का संदर्भ विधायक निधि में कथित भ्रष्टाचार के खुलासे से जुड़ा है। दैनिक भास्कर ने 14 दिसंबर को एक विशेष रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें बताया गया कि हिंडौन की विधायक अनीता जाटव विकास कार्यों की अनुशंसा करने के नाम पर 40 प्रतिशत तक कमीशन ले रही थीं। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि भास्कर के रिपोर्टर ने एक डमी फर्म का प्रोपराइटर बनकर विधायकों से संपर्क किया। फर्म खादी ग्रामोद्योग बोर्ड से संबद्ध बताई गई और इसे स्कूलों में दरी फर्श (कारपेट) सप्लाई करना था। रिपोर्ट के अनुसार, विधायकों ने बिना मूल्य या जरूरत के बारे में जांच किए फर्म को अनुशंसा करने को तैयार हो गए। उनका मुख्य ध्यान केवल यह था कि उन्हें कितना प्रतिशत कमीशन मिलेगा। अनीता जाटव ने अनुशंसा पत्र भी संबंधित अधिकारियों को दे दिया।

खींवसर (नागौर) से भाजपा विधायक रेवंतराम डांगा, हिंडौन (करौली) से कांग्रेस विधायक अनीता जाटव और बयाना (भरतपुर) से निर्दलीय विधायक ऋतु बनावत इस मामले में शामिल थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भाजपा विधायक डांगा ने 40 प्रतिशत कमीशन की डील की, जबकि अनीता जाटव ने 50 हजार की राशि लेकर 80 लाख रुपए के अनुशंसा पत्र पर हस्ताक्षर किए। वहीं, निर्दलीय विधायक ऋतु बनावत के पति ने 40 लाख की डील फाइनल की।

इस मामले ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। करौली में पोस्टर विवाद के बाद से स्थानीय लोग और राजनीतिक दल इस मुद्दे पर बयानबाजी कर रहे हैं। विधायक निधि के तहत राजस्थान के हर विधायक को विधानसभा सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत सालाना 5 करोड़ रुपए मिलते हैं। राजस्थान में इस खुलासे और पोस्टर विवाद के बाद राजनीतिक तापमान बढ़ गया है।

मोदी, शाह ने राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह व राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित तमाम नेताओं ने सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके जन्मदिन की बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने शर्मा को बधाई देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, वह (भजनलाल शर्मा) राज्य की विकास यात्रा को गति देने और युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रशंसनीय प्रयास कर रहे हैं। उन्हें अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की शुभकामनाएं। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वीरभूमि राजस्थान की विरासतों एवं संस्कृति के संरक्षण तथा प्रदेश में किसानों, महिलाओं, युवाओं के सशक्तीकरण से आप प्रधानमंत्री मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विश्वास' के मंत्र को चरितार्थ कर रहे हैं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने शर्मा को बधाई देते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु होने की कामना करता हूं। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सहित अन्य नेताओं ने भी शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी। शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार ने अपने कार्यकाल के दो साल भी सोमवार को पूरे कर लिए। मुख्यमंत्री शर्मा इस अवसर पर सांगानेर स्थित पिंजरापोल गोशाला पहुंचे। उन्होंने गायों की पूजा-अर्चना कर गुड़ व चारा खिलाया तथा हवन में आहुति देकर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही शर्मा ने 'डेयरी के स्वर्णिम दो वर्ष ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्त उत्कर्ष' पुस्तक का विमोचन किया। पिंजरापोल गोशाला परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन भी किया। इससे पहले उन्होंने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पूजा अर्चना की। शर्मा ने तस्वीर साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, आज राजस्थान में सुशासन, विकास एवं जनविश्वास पर आधारित सरकार के सफल दो वर्ष पूर्ण होने तथा जन्मदिवस के शुभ अवसर पर सपत्नीक जयपुर स्थित परम पूज्य मोती डूंगरी गणेश जी महाराज के पावन मंदिर में दिव्य दर्शन एवं पूजन अर्चन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। शर्मा ने जयपुर स्थित आराध्य गोविंद देव जी मंदिर में भी सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना की।

गायों की सेवा हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर जयपुर स्थित पिंजरापोल गौशाला में सोमवार को गोसेवा की। उन्होंने सपत्नीक गायों की पूजा अर्चना कर गुड़ एवं चारा खिलाया। उन्होंने इस अवसर पर हवन में आहुति भी दी। उन्होंने कहा कि गोसेवा हमारी सनातन संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है तथा राज्य सरकार गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने गौशाला परिसर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। साथ ही उन्होंने सभी से रक्तदान के लिए आगे आने और ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के दो वर्षों का यह कार्यकाल सेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित रहा है। राज्य सरकार पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर गोपालन विभाग द्वारा प्रकाशित 'डेयरी के स्वर्णिम दो वर्ष' पुस्तक का विमोचन भी किया। गौशाला परिसर में उपस्थित आमजन ने मुख्यमंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री ए. राठौड़, शासन सचिव गोपालन डॉ. समित शर्मा सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने श्रीनाथजी मंदिर में किए दर्शन

जयपुर/दक्षिण भारत । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को डीग जिले के पूंछरी का लौठा स्थित मुकुट मुखारविंद मन्दिर में सपत्नीक गिरिराज जी की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की खुशहाली और आमजन के लिए सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

इसके पश्चात शर्मा ने श्रीनाथजी मंदिर में सपत्नीक दर्शन कर विधिवत पूजा की। उन्होंने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से आत्मीयपूर्ण संवाद भी किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री

सुरेश सिंह रावत, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक डॉ. शैलेश सिंह, जगत सिंह, सुनौक्षम सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एसआई पेपर लीक : 3 ट्रेनी सब इंस्पेक्टर और डमी कैंडिडेट वीडीओ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक प्रकरण में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई कर तीन ट्रेनी सब इंस्पेक्टर और डमी कैंडिडेट वीडीओ को गिरफ्तार किया है। एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि जांच के बाद तीन प्रशिक्षु उपनिरीक्षक और एक प्रशिक्षु की जगह परीक्षा देने वाले डमी अभ्यर्थी ग्राम विकास अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है।

डीआईजी एसओजी परिस देशमुख के नेतृत्व में टीम ने आरपीएससी के रिकॉर्ड का विस्तृत विश्लेषण किया, जिसके बाद 10 प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों के रिकॉर्ड संदिग्ध पाए गए। इनमें से तीन के लिखित परीक्षा दस्तावेजों पर हस्तलेख और हस्ताक्षरों का मिलान एफएसएल से कराया गया। रिपोर्ट में स्पष्ट असमानता सामने आई, जिसने यह प्रमाणित कर दिया कि तीनों ने अवैध रूप से डमी अभ्यर्थियों को बैठाकर परीक्षा उत्तीर्ण की थी। गिरफ्तार किए गए प्रशिक्षु उपनिरीक्षक कुणाल चौधरी (30) निवासी झंवर जोधपुर (मेरिट 234, राजसमंद), चूनाराम जाट (30) निवासी करड़ा जालोर (मेरिट 251, उदयपुर) और अशोक कुमार खिलेरी (30) निवासी एकरड़ा जालोर (मेरिट 154, उदयपुर) है। इन तीनों को शनिवार को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया है। इसके अलावा प्रशिक्षु कुणाल चौधरी के स्थान पर लिखित परीक्षा देने वाले डमी अभ्यर्थी अशोक कुमार खींचड़ (30) निवासी बज्जू बीकानेर हाल ग्राम विकास अधिकारी बज्जू को भी रविवार को गिरफ्तार किया गया है।

अयोध्या में कैंसर उपचार केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा टाटा समूह

अयोध्या (उप्र)/भाषा। टाटा समूह अयोध्या में एक बड़ा कैंसर उपचार केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार को यह जानकारी दी।

टाटा कैंसर फाउंडेशन के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने प्रस्तावित परियोजना के वास्ते संभावित स्थलों का निरीक्षण करने के लिए अयोध्या का दौरा किया। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि यह परियोजना दिवंगत रतन टाटा के दृष्टिकोण का हिस्सा थी और अब इसे साकार करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि प्रस्तावित कैंसर केंद्र से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को काफी मजबूती मिलने की उम्मीद है और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लाखों मरीजों को उन्नत उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

लखीसराय को बनाया जाएगा बिहार का राजस्व का मॉडल जिला : सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखीसराय/भाषा। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सोमवार को कहा कि भूमि, जमीन और शराब माफिया के खिलाफ कार्रवाई के लिए बिहार सरकार पूरी तरह संकल्पित है तथा लखीसराय को राजस्व का मॉडल जिला बनाया जाएगा।

वह यहां टाउन हॉल में आयोजित भूमि सुधार जनकल्याण संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपराधी, भू-माफिया और राजस्व कर्मियों के गठजोड़ को तोड़ने को सरकार की प्राथमिकता करार देते हुए कहा कि फर्जी और गलत कागजात के जरिए व्यवस्था में बाधा डालने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा विभागीय संलिप्तता पाए जाने पर संबंधित कर्मियों को तत्काल बर्खास्त कर उनकी संपत्ति की जांच कराई जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने जिले के सभी सात अंचलाधिकारियों को न्यायसंगत मामलों का निष्पादन 15 दिनों के भीतर हर हाल में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भूमि सुधार उपसमाहर्ता (डीसीएलआर) अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यों की नियमित निगरानी करें, जबकि अपर समाहर्ता अपने सभी अधीनस्थों के कार्यों पर सतत नजर रखें।

भूमि विवाद समाधान को लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक शनिवार को होने वाली बैठक में सभी थानाध्यक्षों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इन बैठकों की निगरानी संबंधित पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) और उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के नेतृत्व में की जाएगी तथा इसकी रिपोर्ट जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को दी जाएगी।

राज्य में चल रहे विशेष भूमि सर्वेक्षण को लेकर सिन्हा ने कहा कि सौ वर्षों बाद हो रहा यह ऐतिहासिक कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो, यह सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने जिलाधिकारियों को गांव-गांव में लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए और कहा कि किसी भी शिकायत पर संबंधित अधिकारी तत्काल सुनवाई सुनिश्चित करें।

उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि सभी राजस्व कर्मचारी केवल पंचायत सरकार भवन में बैठकर ही कार्य करेंगे जिसकी निगरानी अंचलाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता और अपर समाहर्ता करेंगे। उन्होंने अंचलाधिकारियों को अधिकतम समय कार्यालय में उपस्थित रहने तथा अपना और कर्मचारियों का संपर्क नंबर अंचल कार्यालय और पंचायत सरकार भवनों में प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

यदि 'वोट चोरी' के आरोप लगाना जारी रखा तो विपक्ष को चुनावी पराजय का सामना करना पड़ेगा : देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने सोमवार को राज्यसभा में विपक्षी दलों को आगाह किया कि यदि वे 'वोटी चोरी' के आरोपों को जारी रखते हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर दोषारोपण कर मतदाताओं के मन में सन्देह पैदा करते हैं तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ेगा।

चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में चर्चा में भाग लेते हुए जनता दल (एस) प्रमुख देवेगौड़ा ने कहा कि विपक्ष प्रधानमंत्री का सड़कों और सार्वजनिक मंचों पर मजाक उड़ा रहा है। उन्होंने कहा, ''यह (भारत) बहुत बड़ा देश है। कांग्रेस तीन राज्यों (के शासन) में हो सकती है। मेरे मित्र इस बात को कृपया ध्यान में रखिए कि वोट चोरी शब्द का इस्तेमाल कर आपको आने वाले दिनों में नुकसान उठाना पड़ेगा। आप (चुनावी) मुकाबला नहीं जीत सकते।'' जद(एस) प्रमुख देवेगौड़ा ने कहा कि उन्होंने सात बार विधानसभा एवं चार बार लोकसभा चुनाव जीता। उन्होंने कहा कि उन्हें तीन बार कांग्रेस के प्रत्याशी ने हराया किंतु उन्होंने कभी इस बात की शिकायत नहीं की कि कांग्रेस ने उन्हें जोड़तोड़ करके हराया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के एक पत्र का संदर्भ दिया जिसमें उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री नंबूदरीपाद के शासनकाल में 18 हजार मतदाताओं को शामिल करने को कहा था। देवेगौड़ा ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची में लोगों के नाम हटाये जाने और शामिल करने के मुद्दे पर काफी विवाद हुआ था। उन्होंने कहा कि लोगों को इस चुनाव के परिणामों पर स्वयं विचार करना चाहिए क्योंकि कांग्रेस को इसमें मात्र छह सीटें मिलीं। उन्होंने कहा कि आज विपक्ष के लोग प्रधानमंत्री का सड़कों और विभिन्न मंचों पर मजाक बना रहे हैं और प्रधानमंत्री के पद के महत्व को कमतर करने का प्रयास कर रहे हैं।

टाटा पावर छोटी मॉड्यूलर परियोजनाओं पर विचार कर सकती है : सीईओ

भुवनेश्वर/भाषा। टाटा पावर के सीईओ और प्रबंध निदेशक (एमडी) प्रवीर सिन्हा ने कहा है कि कंपनी निजी कंपनियों के परमाणु क्षेत्र में प्रवेश के लिए जरूरी कानूनी संशोधनों के बाद 20-50 मेगावाट क्षमता वाले छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एमएमआर) परियोजनाओं की स्थापना पर विचार करेगी। सिन्हा ने पीटीआई-भाषा के साथ एक बातचीत में कहा कि कंपनी ने भविष्य की परमाणु योजनाओं के लिए संभावित स्थानों की खोज शुरू कर दी है। सरकार ने सोमवार को 'भारत को बदलने के लिए परमाणु ऊर्जा का सतत उपयोग तथा उन्नयन विधेयक, 2025' पेश किया। इसका मकसद भारत के नागरिक परमाणु क्षेत्र के कानूनों में व्यापक सुधार करना, इसे निजी भागीदारी के लिए खोलना और नई देयता प्रणाली स्थापित करना है। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में यह विधेयक पेश किया।

बिहार में जारी रहेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान, माफिया पर होगी कार्रवाई : सम्राट चौधरी

गयाजी/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए चलाया जा रहा अभियान पूरे राज्य में जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका एकमात्र उद्देश्य मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 'सुशासन' को बिहार में पूरी तरह स्थापित करना है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता चौधरी ने यहां एक जनसभा में कहा कि लोग सरकारी जमीन पर हुए किसी भी अतिक्रमण की जानकारी सरकार को दे सकते हैं, जिस पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, आपने देखा होगा कि राज्य में सड़कों को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है। यह 'सफाई अभियान' पूरे बिहार में जारी रहेगा। चौधरी ने कहा, मेरा केवल एक ही काम है कि बिहार में नीतीश कुमार के 'सुशासन' यानी अच्छे शासन के मॉडल को पूरी तरह स्थापित किया जाए। मंत्री ने कहा कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वाले माफिया के खिलाफ राज्य सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने लोगों से मुखातिब होकर कहा, यदि आपको लगता है कि किसी माफिया या अपराधी ने सरकारी जमीन पर कब्जा किया है तो इसकी शिकायत करें। हम उसकी संपत्ति को ध्वस्त करेंगे।

थरूर ने उनके और राहुल के बीच विरोधाभास वाले पोस्ट को 'विचारशील' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पार्टी के साथ बिगड़ते रिश्तों के बीच सोमवार को एक 'एक्स' उपयोगकर्ता के उस विश्लेषण को विचारशील बताया, जिसने उनके और राहुल गांधी के बीच विरोधाभास के बारे में सोशल मीडिया मंच पर एक लंबा पोस्ट लिखा था। 'एक्स' उपयोगकर्ता ने कहा कि थरूर और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बीच विरोधाभास पार्टी के भीतर मौजूद दो वैचारिक प्रवृत्तियों को दर्शाता है।

उपयोगकर्ता ने कहा, ''समस्या उनके सह-अस्तित्व में नहीं है। समस्या कांग्रेस की चुनने, एकीकृत करने या व्यस्थित ढंग से आगे क्रियान्वयन करने में असमर्थता है।'' उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, थरूर ने कहा, ''इस विचारशील विश्लेषण के लिए धन्यवाद। पार्टी में हमेशा एक से अधिक प्रवृत्ति रही है। आपका आकलन निष्पक्ष है और वर्तमान वास्तविकता की एक निश्चित धारणा को प्रतिबिंबित करता है।'' 'एक्स' उपयोगकर्ता ने पोस्ट में कहा था कि थरूर मोटे तौर पर 1990 के दशक की कांग्रेस प्रवृत्ति को रेखांकति करते हैं जो शहरी स्वरूप वाली, संस्थागत रूप से उन्मुख और सुधार-संगत है। पोस्ट में है, ''यह स्वरूप आर्थिक परिवर्तन व अभिजात वर्ग के नेतृत्व वाले शासन के दौरान ऐतिहासिक परिस्थिति के रूप में उभरा। उसने लिखा, थरूर अपने कारणों से (चाहे जो भी हो) पहले दिन से एक गौरवान्वित हिंदू थे और उन्होंने इसके बारे में 'मैं हिंदू क्यों हूं' नाम से एक पूरी किताब भी लिखी।

सरकारी कार्यक्रम में नीतीश कुमार ने नवनियुक्त चिकित्सक के चेहरे से हटाया हिजाब, विवाद खड़ा हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में नवनियुक्त एक आयुष चिकित्सक उस समय असहज हो गई, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नियुक्ति पत्र प्रदान करने के दौरान उसके चेहरे से हिजाब (घूंघट) हटा दिया।

इस घटना का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ है। यह घटना मुख्यमंत्री सचिवालय 'संवाद' में आयोजित उस कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां एक हजार से अधिक आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे थे। हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, नियुक्त किए गए डॉक्टरों में 685 आयुर्वेद, 393 होम्योपैथी और 205 यूनानी पद्धति के चिकित्सक शामिल हैं। इनमें से 10 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वयं मंच से नियुक्ति पत्र सौंपे, जबकि शेष को ऑनलाइन माध्यम से पत्र दिए गए। जब नुसरत परवीन की बारी आई, जो चेहरे पर हिजाब डाले हुई थीं, तो 75 वर्षीय मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा, यह क्या है? इसके बाद मुख्यमंत्री उनके चेहरे से हिजाब हटा दिया।

घबराई हुई नवनियुक्त चिकित्सक को इसके बाद वहां मौजूद एक अधिकारी ने तुरंत एक ओर कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री के बगल में खड़े उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उन्हें रोकने के प्रयास में उनकी आस्तीन खींचते हुए नजर आए।

इधर, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया खातों पर साझा करते हुए दावा किया कि यह घटना जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख की अस्थिर मानसिक स्थिति का ताजा उदाहरण है।

राजद ने 'एक्स' पर लिखा, यह क्या हो गया है नीतीश जी को?

पार्टी ने कहा, मानसिक स्थिति बिल्कुल ही अब दयनीय स्थिति में पहुंच चुकी है या नीतीश बाबू अब शत-प्रतिशत संघी हो चुके हैं?

मनरेगा को खत्म करने की साजिश, महात्मा गांधी से प्रधानमंत्री का प्रेम दिखावटी : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मनरेगा के स्थान पर केंद्र सरकार द्वारा नया कानून बनाने की तैयारियों के बीच दावा किया कि इस योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना यह दिखाता है कि बापू के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रेम दिखावटी है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि यह मनरेगा को खत्म करने की साजिश है और सरकार का यह कदम महात्मा गांधी का अपमान है। सरकार 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) को निरस्त करने और इस संबंध में एक नया कानून बनाने के लिए लोकसभा में विधेयक ला सकती है। नए विधेयक का नाम 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (विकसित भारत- जी राम जी) विधेयक, 2025' होगा। विधेयक की प्रतियां लोकसभा सदस्यों को बांटी गई हैं। खरगे ने पोस्ट किया, ''यह केवल महात्मा गांधी नरेगा का नाम बदलने की बात नहीं है। यह भाजपा-आरएसएस की मनरेगा को ख़त्म करनी साज़िश है।''

हर भारतीय खिलाड़ी को कम से कम दो विजय हजारे मैच खेलने होंगे : बीसीसीआई

नई दिल्ली/भाषा। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के मौजूदा खिलाड़ियों के लिये 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में कम से कम दो वनडे मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 मैच (19 दिसंबर) और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे (11 जनवरी , 2026) के बीच तीन सप्ताह से अधिक का अंतर है और बोर्ड चाहता है कि सभी सीनियर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें । अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने सभी को यह निर्देश दे दिया है । इस साल की शुरूआत में आस्ट्रेलिया में टेस्ट शृंखला में हार के बाद यह सिफारिश की गई थी । इसमें हर प्रारूप में घरेलू क्रिकेट पर अधिक जोर देने के लिये कहा गया था । विराट कोहली और रोहित शर्मा टूर्नामेंट के लिये अपनी उपलब्धता की सूचना दे चुके हैं । वहीं सीनियर खिलाड़ी शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव को अपनी टीमों के लिये कम से कम दो मैच खेलने के लिये कहा जा सकता है।

मेस्सी ने भारत दौरे के आखिरी चरण दिल्ली में फुटबॉल प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लियोनेल मेस्सी के बहुप्रतीक्षित 'जीओएटी इंडिया टूर' की शुरुआत भले ही अव्यवस्थित ढंग से हुई हो लेकिन इसका समापन दिल्ली में शानदार तरीके से हुआ जहां प्रशंसक अपने चहेते खिलाड़ी की झलक पाकर खुशी से झूम उठे। प्रशंसकों ने उस शख्स का दीदार किया जो मैदान पर अक्सर 'बेजोड़' प्रदर्शन करता है।

कोलकाता में शनिवार को अराजक शुरुआत के बाद सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि व्यापक रूप से प्रचारित और बहुप्रतीक्षित इस कार्यक्रम का अंत वैसा ही हुआ जैसा आयोजक चाहते थे

कोटला (अरुण जेटली स्टेडियम) की दर्शक दीर्धा में उमड़ी हजारों की भीड़ के साथ ही मैदान के अंदर मौजूद कुछ भारतीय हस्तियां और गणमान्य व्यक्ति दुनिया के सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में से एक की मेजबानी के उत्साह में सराबोर थे। प्रशंसक इस खिलाड़ी की अलौकिक प्रतिभा, विनम्रता और उस प्रभाव से अभिभूत थे, जो उन्होंने पिछले दो दशकों में अपने दम पर इस खेल को दिया है।

स्पेनिश भाषा में संक्षिप्त संबोधन में मेस्सी ने कहा, ''ग्रासियस दिल्ली! हास्ता प्रोंतो (धन्यवाद दिल्ली, जल्द मिलते हैं)''। शहर के अधिकांश लोग स्पेनिश भाषा को नहीं समझते लेकिन इसके बावजूद उनके इन शब्दों ने दर्शकों में एक ऐसी ललक और उत्साह पैदा कर दिया जो पहले शायद ही कभी देखा गया हो। मेस्सी ने स्टेडियम पहुंचने के बाद मैदान का एक चक्कर लगाया और सात-सात खिलाड़ियों के मैच को खत्म होते देखा।

स्टेडियम में ज्यादातर दर्शक अर्जेंटीना की प्रसिद्ध नीली और सफेद जर्सी (नंबर 10) पहने हुए थे और लगातार 'मेस्सी मेस्सी' का नारा लगा रहे थे। मेस्सी दर्शकों की ओर हाथ हिलाते हुए मुस्कुरा रहे थे।

भुवनेश्वर में जल्द ही वैश्विक वीजा आवेदन केंद्र खुलेगा: मुख्यमंत्री कार्यालय

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के भुवनेश्वर में जल्द ही एक वैश्विक वीजा आवेदन केंद्र स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह प्रस्तावित केंद्र बारामुंडा स्थित बाबासाहेब अंबेडकर बस टर्मिनल भवन से संचालित होगा, जहां राज्य सरकार 3,000 वर्ग फुट स्थान उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि फिलहाल ओडिशा के लोगों को अंतरराष्ट्रीय वीजा प्राप्त करने के लिए कोलकाता, दिल्ली और हैदराबाद जैसे शहरों की यात्रा करनी पड़ती है।

राष्ट्रीय निशानेबाजी: मनु भाकर, सिमरनप्रीत को 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर और विश्व कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता सिमरनप्रीत कौर बरार ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिला 25 मीटर पिस्टल वर्ग में क्रमश: सीनियर और जूनियर वर्ग का खिताब जीता। मनु ने फाइनल में 36 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कर्नाटक की दिव्या टीएस 32 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

अंजलि चौधरी ने 28 अंक के साथ कांस्य पदक जीता जबकि ओलंपियन रिद्धम सांगवान चौथे स्थान पर रहीं।

क्वालीफिकेशन दौर में कड़ी चुनौती के बीच मनु 581 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहीं। दिव्या ने 587 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि अंजलि (582) और रिद्धम (579) अगले दो स्थान पर रहीं।

दोहा में सत्रांत विश्व कप फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने वाली 21 साल की सिमरनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल वर्ग में 39 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता।

जूनियर क्वालीफिकेशन में परीषा गुप्ता शीर्ष पर रहीं। सिमरनप्रीत ने 578 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि पलक 575 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

महाराष्ट्र ने सीनियर महिला 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता जबकि जूनियर वर्ग का स्वर्ण पदक 'आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट' के नाम रहा।

आचरेकर सर से मिलने के बाद मेरी जिंदगी बदल गयी : आमरे

मुंबई/भाषा। द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता महान कोच रमाकांत आचरेकर के साथ अपनी शुरुआती मुलाकात को याद करते हुए भारत के पूर्व बल्लेबाज प्रवीण आमरे ने कहा कि इससे उनकी जिंदगी बदल गयी थी। आमरे ने यहां एक कार्यक्रम में भारत के कई खिलाड़ियों के कोच रहे आचरेकर के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया। उन्होंने कहा, ''सब जानते हैं कि मैं अचरेकर सर का छात्र हूं लेकिन कोई नहीं जानता कि उनसे मेरी मुलाकात कैसे हुई। मैं शिवाजी पार्क के बाकी बच्चों की तरह ही क्रिकेट खेलता था। एक दिन मैंने अपने साथियों से कहा कि हमें 'लेदर' की गेंद से खेलना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मैं चप्पल पहनकर अचरेकर सर के पास गया और उनसे पूछा, 'क्या आप मेरी टीम के खिलाफ एक मैच खेल सकते हैं?' उन्होंने मुझसे कहा, 'आपको सफेद वर्दी और जूते पहने हुए 11 खिलाड़ियों के साथ 55 रुपए और एक गेंद देनी होगी।''

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने लोकसभा में कहा, बीसीसीआई को एनएसएफ के रूप में मान्यता नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) नहीं है। उन्होंने लंबे समय से चली आ रही स्थिति को दोहराया जिसके अगले साल नए राष्ट्रीय खेल संचालन अधिनियम के लागू होने के बाद बदलने की उम्मीद है।

मांडविया तृणमूल कांग्रेस की कोलकाता दक्षिण की प्रतिनिधि माला रॉय के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। रॉय ने पूछा था कि क्या सरकार बीसीसीआई जैसे बड़े खेल संगठनों और पैसे की कमी से जूझ रहे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को 'ठीक से और सुचारू रूप से चलाने' के लिए उनका नियंत्रण अपने हाथ में लेने का इरादा रखती है। मांडविया ने दोहराया कि एनएसएफ से 'अच्छे प्रबंधन तरीकों' का पालन करने की उम्मीद की जाती है। मांडविया ने कहा, ''भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में मान्यता नहीं मिली है।'' राष्ट्रीय खेल संचालन अधिनियम इस साल अगस्त में पारित हुआ था और इसके नियम जल्द ही अधिसूचित किए जाएंगे। मांडविया ने अगले साल की शुरुआत में इस अधिनियम को पूरी तरह से लागू करने का वादा किया है। इसमें एक राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) का प्रावधान है जो जवाबदेही की एक सख्त प्रणाली बनाएगा और सभी एनएसएफ को केंद्र सरकार से कोष पाने के लिए एनएसबी से मान्यता लेनी होगी। बीसीसीआई अब तक एक मान्यता प्राप्त एनएसएफ नहीं है क्योंकि यह सरकार के कोष पर निर्भर नहीं है। हालांकि जब नया कानून लागू होगा तो बीसीसीआई को खुद को एनएसएफ के तौर पर पंजीकृत कराना होगा क्योंकि क्रिकेट एक ओलंपिक खेल बन गया है जो 2028 खेलों में टी20 प्रारूप में पदार्पण करने वाला है। मंत्रालय ने बोर्ड को सूचना का अधिकार अधिनियम से संबंधित प्रावधानों के मामले में पहले ही कुछ राहत दी है जो नए अधिनियम के तहत एनएसएफ पर लागू होंगे।

सुविचार

आत्मा अजन्मा, नित्य, शाश्वत तथा पुरातन हैं। शरीर के मारे जाने पर वह मारी नहीं जाती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे सुधरेगी दिल्ली की हवा?

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की वजह से लोगों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। देश के कई शहरों में वायु गुणवत्ता का स्तर बिगड़ रहा है। इस समस्या का जल्द ठोस समाधान करना होगा। वायु प्रदूषण उन लोगों के लिए ज्यादा घातक है, जिन्हें पहले ही सांस संबंधी बीमारियां हैं। अस्थमा के रोगी जाएं तो कहां जाएं? लगातार प्रदूषित हवा में सांस लेने से दिल, दिमाग और अन्य अंगों पर भी असर पड़ता है। पहले, स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते थे कि सुबह की हवा में गहरी सांस लें, भ्रमण करने जाएं, पार्क में व्यायाम करें। अब वे इन कार्यों से बचने की सलाह दे रहे हैं। यह स्थिति एक-दो साल में नहीं आई है। पर्यावरण विशेषज्ञ तो नब्बे के दशक से ही चेतावनी दे रहे थे कि वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। तब से अब तक दिल्ली वालों ने कांग्रेस, 'आप' और भाजपा को वोट देकर परख लिया। हवा की गुणवत्ता सुधारने के वादे हवा-हवाई ही साबित हुए। सरकारों की भी मजबूरी है। अगर वे कह दें कि पुराने वाहनों को चलाने की अनुमति नहीं होगी, तो लोग सड़कों पर उतरकर आंदोलन छेड़ देंगे। जनता-जनार्दन को नाराज करने का जोखिम कोई सरकार नहीं ले सकती। तो समाधान क्या है? क्या दिल्ली की हवा कभी नहीं सुधर सकती? इस समस्या का समाधान संभव है। बस, सरकार और जनता, दोनों को आगे आना होगा। अकेली सरकार कुछ नहीं कर सकती। चूंकि पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में काफी कमी आई है, अब दिल्ली में पैदा होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने की बारी है।

सबसे पहले, सड़कों पर डीजल-पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना होगा। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। पुराने वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए।

सबसे पहले, सड़कों पर डीजल-पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना होगा। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। पुराने वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। कंपनियां 'वर्क फ्रॉम होम' को प्रोत्साहित करें। जहां यह व्यवस्था संभव हो, वहां कंपनियां हफ्ते या पखवाड़े में एक दिन कर्मचारियों को दफ्तर बुलाएं। बाकी दिन उन्हें घरों से काम करने दें। कई लोग सुबह-सुबह कचरा जलाते हैं, जिससे बहुत धुआं पैदा होता है। उन्हें लगता है कि वे इससे सफाई में योगदान देते हैं, लेकिन वे असल में प्रदूषण बढ़ाते हैं। इन गतिविधियों को सख्ती से रोकना चाहिए। दिल्ली में साफ हवा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल को बढ़ावा देना होगा। जो लोग साइकिल चलाएं, उन्हें पर्यावरण का हितैषी घोषित किया जाए। ऐसे लोगों को वेतन बढ़ोतरी और अतिरिक्त सुविधाएं दी जाएं। यह उसी स्थिति में संभव है, जब सड़कें अनुकूल हों। अगर भारी वाहन दनदनाते फिरेंगे तो साइकिल सवारों को खतरा रहेगा। सड़क पर साइकिल चलाने के लिए पर्याप्त जगह होनी चाहिए। वहां अन्य वाहन बिल्कुल न आएं। ये सारे नियम सिर्फ आम आदमी के लिए न हों। नेता और अधिकारी भी यथासंभव पालन करें। हालांकि कर्तव्य की गंभीरता के कारण हर व्यक्ति के लिए ऐसा करना संभव नहीं है। वे कम से कम इतना तो कर सकते हैं कि उनके परिजन सादगी बरतें। उदाहरण के लिए, किसी विभाग में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारी के लिए जरूरी है कि वे अपनी कार से दफ्तर जाएं, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि उनके परिवार का कोई सदस्य अनावश्यक रूप से वाहन लेकर न जाए। वे उन्हें सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए कहें। दिल्ली पर आबादी का बहुत ज्यादा दबाव है। रोजगार के लिए हर राज्य से लोग वहां जाते हैं। अगर लोगों को उनके इलाकों में रोजगार उपलब्ध हो तो दिल्ली को कई समस्याओं से निजात मिल जाए।

ट्वीटर टॉक

सरकार का विकास से कोई लेना देना नहीं है, शहरों के नक्शों को मनमर्जी और भ्रष्टाचार का खेल बना कर रख दिया है। प्रदेश के शहरों के मास्टर प्लान की स्थिति देखिए.. हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को अनसुना कर शहरों के शहरी नियोजन में मनमानी की जा जारी है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

उदयपुर के समीप पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में कई नागरिकों की जनहानि का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में संबल दें।

-दिया कुमारी

सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज प्रताप नगर, जयपुर स्थित आरयूएचएस हॉस्पिटल में आयोजित आरोग्य शिविर में सहभागिता की। साथ ही जनसभा को संबोधित किया। सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का संकल्प साकार कर रही है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अध्यात्म के लक्ष्य संभव

आत्म का साक्षात्कार उन घटनाओं के जानने से हैं, उस अनुभूति तक पहुंचने से है, जो हमारी आत्मा की आज तक की यात्रा रही है। यदि आत्मा से परिचय या साक्षात्कार का कोई लक्ष्य है तो वह अपनी आत्मा की पूर्व की यात्रा का वृत्तांत जानना ही है। जैसे वो साक्षात्कार पूरा होता था वो ऋषि वृंद त्रिकाल दर्शी हो जाते थे। आत्मा की यात्रा सतत है। आत्मसाक्षात्कार का मार्ग ही साधना का मार्ग और अध्यात्म का मार्ग कहा जाता है। ये आत्मसाक्षात्कार क्या है? शास्त्र कहते हैं कि प्रत्येक जीव में जो चेतना है वह उसका आत्म तत्व ही है। ऋषि वशिष्ठ ने जीवों की चेतना को ही आत्मा कहकर व्याख्यायित किया है। ये आत्मा ही है जो सदा सर्वदा से शास्त्रों में वर्णित होती आई है। इस आत्म तत्व के इर्द-गिर्द ही सभी धर्मों के शास्त्र रहते आए हैं। सनातन परम्परा में भी आत्मशुद्धि के उपायों का वर्णन मिलता है। ऋषि, महर्षि, साधु-संत और परमहंस सब इस आत्म तत्व के इर्द-गिर्द ही खड़े दिखाई देते हैं। आत्म प्रकाश की भी बात उठती है।आत्म प्रकाश के विषय में भ्रम की स्थिति रहती है। आत्मा को व्यक्ति साधना से प्रकाशित करता है या आत्मा सदा सवर्दा से स्वयं ही प्रकाशित होती है? ये प्रश्न भटकाता है।

सामयिक

लेना ही होगा आरक्षण को खत्म करने का निर्णय

अमित बैजनाथ गर्ग

मोबाइल 78770 70861

हाल ही में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरक्षण के संबंध में एक बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि धर्म बदलने वालों को अब एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। कोर्ट ने कहा कि धर्म परिवर्तन के बाद भी एससी-एसटी और ओबीसी दर्जा बनाए रखना संविधान के साथ धोखा है। यह फैसला उस मामले में आया, जिसमें जितेंद्र साहनी पर आरोप था कि वह ईसाई प्रार्थना सभा की आड़ में लोगों को लालच देकर धर्मांतरण करा रहा था और हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करता था। गवाहों के अनुसार, वह ईसाई धर्म अपना चुका था, लेकिन कोर्ट में उसने खुद को हिंदू बताया। इस पर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि धर्म छुपाकर जातिगत आरक्षण लेना संविधान के विरुद्ध है। अगर हलफनामे में धर्म संबंधी गलत जानकारी दी गई है या धर्म परिवर्तन छुपाया गया है, तो सख्त कार्रवाई हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे सभी मामलों की जांच करें, जहां लोग हिंदू धर्म छोड़कर भी एससी-एसटी और ओबीसी के लाभ ले रहे हों। ऐसे सभी मामलों की रिपोर्ट सरकार को भेजी जानी चाहिए।

कोर्ट के इस फैसले ने आरक्षण पर नई बहस छेड़ दी है। देश में अब आरक्षण को पूरी तरह खत्म करने की आवश्यकता पर चर्चा हो रही है और इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर विचार किया जा रहा है। बड़ा सवाल यह है कि आरक्षण को पूरी तरह खत्म करना जरूरी क्यों है? असल में देश में आरक्षण एक जटिल और विवादास्पद मुद्दा है, जिसे लेकर समय-समय पर बहस होती रहती है। आरक्षण प्रणाली का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर पिछड़े वर्गों और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों को समाज में समान अवसर प्रदान करना था। हालांकि अब इसे खत्म करने की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है, ताकि समाज में समानता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके।

आरक्षण प्रणाली ने समाज के पिछड़े वर्गों को शिक्षा, सरकारी नौकरियों और अन्य क्षेत्रों में विशेष अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन समय के साथ इस प्रणाली को लेकर कई आलोचनाएं भी सामने आई हैं। लोगों का कहना है कि यह प्रणाली आजकल वर्गों के बीच असमानता और भेदभाव बढ़ा रही है। जिन वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया गया था, अब वे अधिकतर अवसरों का फायदा उठा रहे हैं। इस कारण समाज में भेदभाव और नफरत बढ़ रही है। अधिकतर लोगों का मानना है कि अब आरक्षण को पूरी तरह समाप्त करने की आवश्यकता है। भले ही वह किसी भी क्षेत्र में क्यों ना हो। लोगों का कहना है कि आरक्षण को खत्म करने से कई फायदे होंगे।

आरक्षण को खत्म करने की दिशा में काम कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि अगर आरक्षण को खत्म किया जाता है, तो सरकारी नौकरियों और शिक्षा में लोगों को उनकी योग्यता के आधार पर मौका मिलेगा। इससे देश में योग्य और प्रतिभाशाली लोगों की संख्या बढ़ेगी और कार्यकुशलता में भी वृद्धि होगी। वहीं आरक्षण खत्म करने से समाज में बराबरी की भावना बढ़ेगी, क्योंकि किसी को उसकी जाति या धर्म के आधार पर विशेष अवसर नहीं मिलेगा। सभी को समान अवसर मिलेंगे, जिससे सामाजिक तनाव और असंतोष में कमी आएगी। अगर आरक्षण नहीं होगा, तो हर किसी को अपनी मेहनत और समर्पण से सफलता हासिल करनी होगी। इससे लोग अपनी क्षमताओं और योग्यता को बढ़ाने के लिए प्रेरित होंगे, जो कि किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए जरूरी है।

उनका कहना है कि गरीब, जरूरतमंद और पिछड़े लोगों को आरक्षण देने की बजाय सरकार को ऐसी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो सभी वर्गों के बीच समान अवसर प्रदान करें, चाहे वे किसी भी जाति, धर्म या सामाजिक स्थिति से हों। इससे समाज में समानता बढ़ेगी और हर व्यक्ति को अपनी मेहनत के आधार पर सफलता मिल सकेगी। उनका मानना है कि आरक्षण प्रणाली ने लंबे समय तक भले ही पिछड़े वर्गों को लाभ पहुंचाया हो, लेकिन अब यह देश और समाज तथा अर्थव्यवस्था के लिए बोझ बनती जा रही है। सरकारी नौकरियों और संस्थानों में आरक्षण का प्रतिशत बढ़ने के कारण योग्य और सक्षम उम्मीदवारों के लिए अवसर सीमित हो गए हैं। इससे विकास की गति में भी रुकावट आ रही है।

आरक्षण का सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि इससे समाज में असमानता को बढ़ावा मिला है। आरक्षण प्रणाली समाज में असमानता को खत्म करने की बजाय विभिन्न जातियों और समुदायों के बीच भेदभाव को और बढ़ावा दे रही है, जबकि आरक्षण का उद्देश्य समानता प्रदान करना था। इसके उलट यह अब कई मामलों में समाज के विभाजन की खाई को गहरा कर रहा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि आरक्षण को खत्म करने का निर्णय एक बड़ा कदम होगा। इसके सकारात्मक प्रभाव अधिक होंगे। हालांकि इसका उद्देश्य समाज में समानता और निष्पक्षता को बढ़ावा देना है। यदि सभी प्रकार के आरक्षण को खत्म करने के निर्णय को समय रहते और सही तरीके से लागू किया जाता है, तो यह देश के लिए एक सकारात्मक बदलाव साबित होगा। निश्चित तौर पर इसके सुखद दूरगामी परिणाम सामने आएंगे।

हेल्थ

एम्स का चमत्कार : सर्जरी से टाइप-2 डायबिटीज गायब

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

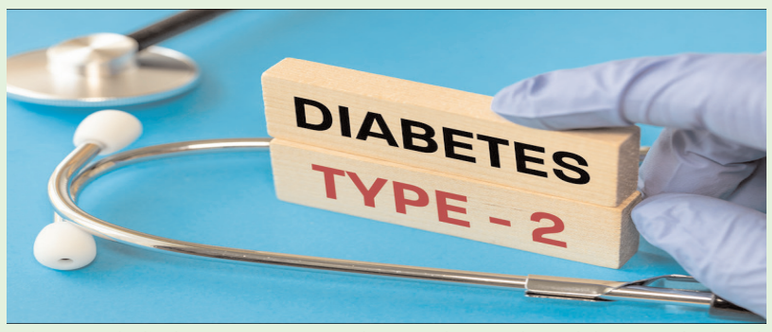

भारत आज जिस चुपचाप फैलती महामारी से जूझ रहा है, वह है मधुमेह। विशेषकर टाइप-दो मधुमेह, जो अब केवल जीवनशैली से जुड़ी बीमारी नहीं रह गई है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य ढांचे पर गहरा असर डालने वाली चुनौती बन चुकी है। करोड़ों लोग रोज़ दवाइयों के सहारे जीवन जी रहे हैं, फिर भी शुगर नियंत्रण से बाहर है, अंग क्षति बढ़ रही है और इलाज आजीवन बोझ बनता जा रहा है। ऐसे समय में यदि कोई चिकित्सा पद्धति यह दावा करे कि वर्षों से दवाइयों पर निर्भर मधुमेह रोगी सर्जरी के अगले ही दिन सामान्य शुगर स्तर पर आ सकते हैं, तो यह खबर मात्र चिकित्सा नहीं, बल्कि नीति, समाज और सोच के स्तर पर बहस की मांग करती है।

एम्स नई दिल्ली के सर्जरी विभाग में अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. मंजूनाथ मरुति पोल द्वारा अनियंत्रित टाइप-दो मधुमेह के मरीजों पर की जा रही मेटाबॉलिक सर्जरी इसी बहस का केंद्र है। पिछले अठारह महीनों में तीस से अधिक ऐसे मरीज, जिनकी शुगर कई दवाओं और इंसुलिन के बावजूद नियंत्रित नहीं हो रही थी, इस सर्जरी के बाद दवाओं से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं। यह दावा किसी चमत्कार का नहीं, बल्कि उस विज्ञान का है जिसे अब दुनिया भर में गंभीरता से लिया जा रहा है-कि मधुमेह केवल शुगर की बीमारी नहीं, बल्कि आंतों और हार्मोन से जुड़ा मेटाबॉलिक विकार है। इस सर्जरी में पेट के आकार को छोटा कर भोजन के मार्ग को बदला जाता है, जिससे वह आंत के उस हिस्से तक जल्दी पहुंचता है जहां से ऐसे हार्मोन निकलते हैं जो इंसुलिन की क्रिया को प्रभावी बनाते हैं। परिणाम यह होता है कि शुगर का नियंत्रण वजन घटने से पहले ही शुरू हो जाता है। यह तथ्य अपने आप में वर्षों से चली आ रही उस धारणा को चुनौती देता है कि मधुमेह नियंत्रण का एकमात्र रास्ता वजन कम करना और दवाइयां लेना है। यहां शरीर की जैविक प्रक्रिया को दोबारा संतुलित किया जाता है, न कि केवल लक्षणों को दबाया जाता है। लेकिन किसी भी नई चिकित्सा संभावना की तरह यह सर्जरी भी अंधी उम्मीद नहीं, बल्कि सावधानी और विवेक की मांग करती है। यह सभी मधुमेह रोगियों के लिए नहीं है। टाइप-एक मधुमेह, जो एक ऑटोइम्यून रोग है, उसमें यह सर्जरी न केवल अनुपयोगी है, बल्कि खतरनाक भी हो सकती है। इसी तरह बहुत पुरानी मधुमेह, जहां अग्न्याशय की इंसुलिन बनाने की क्षमता लगभग समाप्त हो चुकी हो, वहां भी इसका लाभ सीमित है। इसका अर्थ यह है कि यह कोई जादुई समाधान नहीं, बल्कि सही समय पर सही मरीज के लिए एक वैज्ञानिक विकल्प है।

इस सर्जरी की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती यह है कि भारत में सर्जरी को अब भी अंतिम और डरावने विकल्प के रूप में देखा जाता है। लोग वर्षों तक दवाइयां खाते रहते हैं, अंग क्षति सहते रहते हैं, लेकिन सर्जरी शब्द से ही घबरा जाते हैं। इसके पीछे जानकारी की कमी, आर्थिक भय और चिकित्सा व्यवस्था पर अविश्वास भी है। जबकि सच यह है कि लंबे समय तक चलने वाली मधुमेह की दवाइयां, बार-बार की जांच, अस्पताल में भर्ती और जटिलताओं का खर्च कहीं अधिक होता है। यदि सही चयन के साथ यह सर्जरी अंग क्षति को रोक सकती है और मरीज को दवाओं से मुक्त कर सकती है, तो इसे केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के नजरिए से भी देखना होगा।

यहां नीति निर्माताओं की भूमिका अहम हो जाती है। क्या भारत की स्वास्थ्य नीति मेटाबॉलिक सर्जरी को केवल मोटापे की सर्जरी मानती रहेगी, या इसे मधुमेह उपचार के एक विकल्प के रूप में स्वीकार करेगी? क्या सरकारी अस्पतालों में इसकी पहुंच बढ़ाई जाएगी, या यह केवल गिने-चुने शहरी केंद्रों तक सीमित रहेगी? क्या बीमा योजनाएं इसे जीवनरक्षक उपचार मानेंगी, या इसे विलासिता की श्रेणी में डालती रहेंगी? ये प्रश्न इसलिए जरूरी हैं क्योंकि मधुमेह केवल व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की उत्पादकता और अर्थव्यवस्था की बीमारी है। इस सर्जरी से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण पक्ष है जिम्मेदारी। सर्जरी के बाद भी मरीज को जीवनशैली, पोषण और नियमित जांच के नियमों का पालन करना होता है। यह कोई ऐसा रास्ता नहीं जहां ऑपरेशन के बाद लापरवाही की छूट मिल जाए। अनुभवी चिकित्सक बार-बार यह स्पष्ट कर रहे हैं कि गलत चयन, अधूरी जानकारी और फॉलोअप की अनदेखी इस तकनीक को बदनाम कर सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि इसे प्रचार की नहीं, प्रमाण और प्रोटोकॉल की भाषा में आगे बढ़ाया जाए।

भारत जैसे देश में, जहां मधुमेह अब ग्रामीण इलाकों तक फैल चुका है, वहां इस तरह की चिकित्सा प्रगति उम्मीद की किरण है, लेकिन साथ ही चेतावनी भी। उम्मीद इसलिए कि मधुमेह को स्थायी सजा मानने की सोच बदली जा सकती है। चेतावनी इसलिए कि हर नई तकनीक के साथ अतिउत्साह और व्यावसायीकरण का खतरा भी जुड़ा होता है। जरूरत संतुलन की है-न तो इसे चमत्कार घोषित करने की, न ही डर के कारण खारिज करने की। अंततः यह सवाल केवल सर्जरी का नहीं है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य दृष्टिकोण का है। क्या हम बीमारी को केवल दवाओं से दबाने की संस्कृति में फंसे रहेंगे, या समय रहते जड़ पर प्रहार करने वाले विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार करेंगे? एम्स में हो रहा यह कार्य संकेत देता है कि भविष्य का मधुमेह उपचार केवल गोली या इंजेक्शन नहीं, बल्कि शरीर की पूरी मेटाबॉलिक समझ पर आधारित होगा। इस संकेत को समझना, परखना और जिम्मेदारी से अपनाना ही हमारे विवेक की कसौटी है।

नजरिया

हर सांस के साथ बढ़ रहा है वायु प्रदूषण का खतरा

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

देश की राजधानी दिल्ली सहित देशभर में पर्यावरण प्रदूषण का मामला संसद और सुप्रीम कोर्ट में गूंजने लगा है। अनेक सांसदों ने प्रदूषण विशेषकर वायु प्रदूषण पर संसद में चर्चा की मांग की है। वहीं देश की सर्वोच्च अदालत ने वायु प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त की है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरे के निशान को भी पार कर चुका है। दिल्ली गैस चैंबर में बदल चुका है, यहां -ठख 500 के पार दर्ज किया गया है। प्रदूषण से लोगों को सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बार के सदस्यों और लोगों को सलाह दी है कि वे शीर्ष अदालत के सामने लिस्टेड मामलों के लिए, जहां भी आसान हो, हाइब्रिड मोड में पेश हों। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के मुद्दे पर गंभीर सुनवाई चल रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस समस्या पर चुप नहीं रहा जा सकता और केंद्र सरकार से इस संबंध में प्रभावी एक्शन प्लान मांगा गया है । सर्वोच्च अदालत ने साफ कर दिया कि हवा की गुणवत्ता की समस्या गंभीर है और इसे तुरंत हल करने की दिशा में ऐसे कदम उठाने चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक के मुताबिक वायु प्रदूषण दुनिया के सबसे बड़े हेल्थ रिस्क में से एक है। इसकी वजह से हर साल दुनिया में करीब 67 लाख लोग समय से पहले मौत का शिकार होते हैं। हमारे देश भारत की बात करे तो वायु प्रदूषण की समस्या अत्यधिक गंभीर हो गई है। शहरों में वायु की गुणवत्ता या -ठख बहुत खराब या गंभीर है। राजधानी दिल्ली में -ठख 500 पार पहुँच चुका है। -ठख यानि एयर क्वालिटी इंडेक्स हवा की क्वालिटी को बताने वाला एक स्कोर है, जो यह समझने में मदद करता है कि हमारे आसपास की हवा साफ है या प्रदूषित। -ठख में हवा में मौजूद प्रदूषकों का स्तर मापा जाता है। -ठख जितना बढ़ता है हवा उतनी ही ज्यादा खतरनाक मानी जाती है। वर्तमान में देश की राजधानी दिल्ली सहित बहुत से शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों के रूप में सबसे पहले स्थान पर हैं। खट-ळी की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर्यावरण प्रदूषण के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है और विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 के मुताबिक दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरो में से 42 शहर भारत के हैं। हर साल दिल्ली में होने वाली मौतों में से करीब 11.5 प्रतिशत प्रदूषण के कारण होती हैं। भारत की लगभग पूरी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती, जहां वायु गुणवत्ता विश्व स्वास्थ्य संगठन (थक्ज) के वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों से अधिक हैं। भारत में अत्यधिक वायु प्रदूषण के कारण सांस संबंधी बीमारियां, त्वचा रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ गया है और जीवन प्रत्याशा में भी कमी आई है।

प्रदूषण आज दुनियाभर चिंता का विषय है। यह केवल भारत के लिए ही नहीं है बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है जो कई तरह के प्रदूषणों से पीड़ित है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण और अन्य, लाखों लोगों के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। भारत दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में दूसरे स्थान पर है। प्रदूषण का स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है और औसतन एक भारतीय की जीवन प्रत्याशा को 5.3 साल तक कम कर देता है। प्रदूषण का अर्थ है हमारे आस पास का परिवेश गन्दा होना और प्राकृतिक संतुलन में दोष पैदा होना। प्रदूषण कई प्रकार का होता है जिनमें वायु, जल और ध्वनि-प्रदूषण मुख्य है। पर्यावरण के नष्ट होने और औद्योगीकरण के कारण प्रदूषण की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है जिसके फलस्वरूप मानव जीवन दूभर हो गया है। महानगरों में वायु प्रदूषण अधिक फैला है। वहां चौबीसों घंटे कल-कारखानों और वाहनों का विषैला धुआं इस तरह फैल गया है कि स्वस्थ वायु में सांस लेना दूभर हो गया है। यह समस्या वहां अधिक होती हैं जहां सघन आबादी होती है और वृक्षों का अभाव होता है। कल-कारखानों का दूषित जल नदी-नालों में मिलकर भयंकर जल-प्रदूषण पैदा करता है। बाढ़ के समय तो कारखानों का दुर्गंधित जल सब नाली-नालों में घुल मिल जाता है। इससे अनेक बीमारियां पैदा होती है।

इसी भांति ध्वनि-प्रदूषण ने शांत वातावरण को अशांत कर दिया है। कल-कारखानों और यातायात का कानफाडू शोर, मोटर-गाड़ियों की चिल्ल-पों, लाउड स्पीकरों की कर्णभेदक ध्वनि ने बहरेपन और तनाव को जन्म दिया है। हमने प्रगति की दौड़ में मिसाल कायम की है मगर पर्यावरण का कभी ध्यान नहीं रखा जिसके फलस्वरूप पेड़ पौधों से लेकर नदी तालाब और वायुमण्डल प्रदूषित हुआ है और मनुष्य का सांस लेना भी दुर्लभ हो गया है। इसके अलावा वृक्षों की अंधाधुंध कटाई ने भी पर्यावरण को बहुत अधिक क्षति पहुंचाई है। विश्व में हर साल एक करोड़ हैक्टेयर से अधिक वन काटा जाता है। भारत में 10 लाख हैक्टेयर वन प्रतिवर्ष काटा जा रहा है। वनों के कटने से वन्यजीव भी लुप्त होते जा रहे हैं। वनों के क्षेत्रफल के नष्ट हो जाने से रेगिस्तान के विस्तार में मदद मिल रही है। प्रकृति का संरक्षण हमारे सुनहरे भविष्य का आधार है। मनुष्य जन्म से ही प्रकृति और पर्यावरण के सम्पर्क में आ जाता है। प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा अति आवश्यक है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नियुक्ति पत्र

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीच में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, बाईं ओर, पटना में 1283 आयुष डॉक्टरों (आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक और यूनानी) को अपॉइंटमेंट लेटर बांटते हुए।

अमेरिका के साथ समझौते की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के बेहद करीब: वाणिज्य सचिव अग्रवाल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि भारत और अमेरिका अपने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के 'बेहद करीब' हैं और दोनों देश इस मामले में सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। दोनों देश उच्च शुल्क से निपटने के लिए व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार करने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अलग-अलग वार्ताएं कर रहे हैं।

अमेरिका के नए उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विटजर, वाणिज्यिक सचिव के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए पिछले सप्ताह यहां पहुंचे थे। स्विटजर की यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों पर गौर किया और समझौते एवं व्यापक बीटीए की बातचीत की प्रगति की समीक्षा की।

अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम समझौते की रूपरेखा तैयार करने के बेहद करीब हैं, जिसे हम मानते हैं कि कम समय में पूरा किया जा सकता है। हालांकि मैं इसके लिए कोई समय सीमा नहीं बताना चाहूंगा। बीटीए पर और औपचारिक दौर की बैठकें होने की संभावना पर उन्होंने कहा कि अंतिम चरण की वार्ता में आमतौर पर ऐसे दौर की आवश्यकता नहीं होती है।

सचिव ने बताया कि भले ही कोई औपचारिक दौर न हो लेकिन समापन के करीब पहुंचने तक भौतिक रूप से एवं ऑनलाइन माध्यमों से बैठकें होंगी। उन्होंने कहा, इसलिए, हम उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और हम जितनी जल्दी हो सके, इसे करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड के साथ जारी वार्ता का उदाहरण देते हुए सचिव ने कहा कि जब हम एक ऐसे दौर में होते हैं, जहां कुछ ही मुद्दे या क्षेत्र सुलझाने बाकी होते हैं तो औपचारिक वार्ताओं का कोई दौर नहीं होता। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के साथ हम वार्ता को अंतिम रूप देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और हर दिन इस पर बात होती है। अग्रवाल ने कहा, बातचीत का अंतिम चरण सबसे कठिन होता है, जहां शायद मुख्य अधिकारियों को सचिव या मंत्री स्तर पर निर्णय लेना पड़ता है। यूरोपीय संघ के मामले में उन्होंने कहा, हम मतभेदों को कम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर हम सहमत नहीं हो पा रहे हैं...हम वस्तुतः बातचीत कर रहे हैं...ये चर्चाएं नियमित रूप से हो रही हैं।

ये वार्ता महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिकी प्रशासन ने उसके बाजारों में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा दिया है। इन वार्ताओं के परिणाम रुपए के मूल्य में वृद्धि पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेंगे, जो अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 90 प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया है। भारतीय उद्योग और निर्यातक बातचीत के निष्कर्ष एवं समझौते की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि उच्च आयात शुल्क अमेरिका को होने वाले उनके निर्यात को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

सलमान खान ने की तमन्ना भाटिया की आवाज़ की तारीफ़

मुंबई/एजेन्सी

तमन्ना भाटिया को हाल ही में सलमान खान से खास तारीफ़ मिली। एक टूर के दौरान सलमान खान ने उनकी आवाज़ की सराहना करते हुए कहा,इनकी आवाज़ सुनो मुझे लगता है कि इनके पास अब तक की सबसे शानदार आवाज़ है। सलमान की इस बात पर वहां मौजूद लोग तालियां बजाने लगे। इतने बड़े स्टार से मिली तारीफ़ तमन्ना के लिए बेहद खास रही। उनकी खुशी साफ नज़र आई और यह पल और भी यादगार बन गया। करीब 20 साल से इंडस्ट्री में काम कर रहीं तमन्ना ने अलग-अलग भाषाओं और फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है। वह हमेशा नए तरह के रोल करने से नहीं डरतीं और लगातार खुद को साबित करती आई हैं। आने वाले समय में तमन्ना कई बड़ी फिल्मों में दिखेंगी। वह वी. शांताराम की बायोपिक में जयश्री की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अजय देवगन और संजय दत्त के साथ 'रेंजर', और रोहित शेट्टी की एक फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ नज़र आ सकती हैं। मजबूत फिल्मों की इस लाइन-अप के साथ, तमन्ना भाटिया एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में से एक हैं।

मनीष पॉल ने पूरी की 'वन-फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट' का शूटिंग शेड्यूल

मुंबई/एजेन्सी

अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और सहजता से ह्यूमर व इमोशन के बीच स्विच करने की कला माहिर मनीष पॉल ने अपनी सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी बहुप्रतीक्षित लोक-पौराणिक थ्रिलर फिल्म 'वन - फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट' में निभा रहे अपने किरदार की एक तस्वीर के साथ इस वर्ष का शूटिंग शेड्यूल खत्म होने की खबर, अपने फैंस को दी है। अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए मनीष पॉल ने लिखा है, यह 'वन' के लिए 2025 का शेड्यूल पूरा हो चुका है तत-छ आ रहा है अब अगले शेड्यूल के लिए जनवरी 2026 में फिर से आने का बेसब्री से इंतजार है! गौरतलब है कि इस पोस्ट के साथ फोटो में मनीष पॉल का चेहरा घायल दिखाई दे रहा है, जहां उनके चेहरे पर इंटेंस एक्सप्रेशन के साथ आँखों में आग है। फिलहाल अपने चिर-परिचित हल्के-फुल्के अंदाज़ से बिल्कुल अलग एक बेहद इंटेंस और लेयर्ड किरदार निभा रहे मनीष पॉल की इस फोटो को देखकर उनके दर्शकों में इस फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है।

भारतीय लोककथाओं और जंगल की कहानियों से प्रेरित फिल्म 'वन - फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट', बालाजी टेलीफिल्म्स और टीवीएफ मोशन पिक्चर्स की प्रस्तुति के साथ एक महत्वाकांक्षी लोक-पौराणिक थ्रिलर है, जो घने जंगल की पृष्ठभूमि पर बनी रहस्यों और सच्चाई से गुंथी हुई है।

अरुणाभ कुमार और दीपक मिश्रा द्वारा निर्देशित फ़िल्म 'वन - फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे मनीष पॉल फ़िल्म में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिससे फ़िल्म की स्टार कास्ट और भी मज़बूत हो गई है। गौरतलब है कि 'वन' के अलावा, मनीष पॉल, डेविड धवन निर्देशित 'है जवानी तो इश्क होना है', में भी नज़र आने वाले हैं। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि इस फिल्म के साथ मनीष अपने करियर के एक दलेर, डायनैमिक और करियर-डिफाइनिंग नए अध्याय में कदम रख रहे हैं।

पोस्टर्स के साथ सामने आया 'राहु केतु' का कॉस्मिक अवतार

मुंबई/एजेन्सी

टीज़र और इसके कैची गाने से दर्शकों में उत्सुकता बढ़ाने के बाद, ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस ने अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' के बहुप्रतीक्षित पोस्टर्स आधिकारिक रूप से रिलीज़ कर दिए हैं। नए पोस्टर्स रंगों की चमक, ऊर्जा के उफान और एक बेबाक विज़ुअल टोन के साथ फिल्म की दुनिया को बड़े जीवंत अंदाज़ में पेश करते हैं। पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे इसमें अपने-अपने किरदारों में पहली बार नज़र आ रहे हैं, और उनकी उपस्थिति कहानी के अनोखे टोन को साफ़ झलकाती है।

पोस्टर्स में तीनों कलाकारों की पहली झलक सामने आते ही फिल्म का टोन साफ हो जाता है। पुलकित सम्राट अपने कॉन्फिडेंट और एनर्जेटिक लुक में नज़र आ रहे हैं, वरुण शर्मा अपनी नैचुरल अनप्रेडिक्टेबिलिटी और कॉमिक टाइमिंग से ध्यान खींचते हैं, जबकि शालिनी पांडे अपनी फ्रेश और सादगीभरी मौजूदगी से पोस्टर को एक अलग ही चमक देती हैं। यह तिकड़ी मिलकर एक ऐसे कॉस्मिक एडवेंचर का संकेत देती है जहां हर कदम पर अप्रत्याशित मोड़ छिपे हैं, जहां प्लान लड़खड़ाते हैं, हालात अचानक करवट लेते हैं, और हर एक्शन एक नई, वाइल्ड चेन रिएक्शन को जन्म देता है।विपुल गर्ग के निर्देशन में बनी 'राहु केतु' एक ऐसे कॉस्मिक केपर का एहसास कराती है, जहाँ ग्रहों की चालें कहानी में उतार-चढ़ाव लाती हैं, किस्मतें आमने-सामने टकराती हैं और ब्रह्मांड की अनोखी शरारतें घटनाओं की दिशा बदल देती हैं। हल्के-फुल्के अराजकता और मज़ेदार परिस्थितियों से भरी यह फिल्म दर्शकों को लगातार बांधे रखती है और उन्हें एक ऊर्जावान, मनोरंजक सफर पर ले जाती है। ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस के संयुक्त प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म अपने नए पोस्टर्स के साथ पहले ही सुर्खियों में है, और दर्शकों में इसे लेकर उत्साह तेजी से बढ़ रहा है। 'राहु केतु' 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

कार्तिक आर्यन का दिल के आकार की जलेबी पर आया दिल

अहमदाबाद/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अहमदाबाद में अपनी आगामी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के प्रमोशन के दौरान स्वाद से भरा एक खास ब्रेक लिया। इस दौरान वह दिल के आकार की जलेबी

और कुरकुरे फाफड़ा का आनंद लेते नजर आए, जिसने फैन्स का दिल जीत लिया। कार्तिक ने इस खास पल की झलक इंस्टाग्राम पर साझा की। वीडियो में वह दिल के शेप वाली जलेबी को दो हिस्सों में तोड़ते हुए और फिर उसका स्वाद लेते दिख रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें वह मिठाई के साथ पोज़ देते हुए और फाफड़ा से भरी प्लेट दिखाते नजर आए। इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए कार्तिक ने तलविंदर के गाने तेनु ज़्यादा मोहब्बत कर बैठे का जिक्र किया, जो उनकी आने वाली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के साउंडट्रैक का हिस्सा है।बताया जा रहा है कि यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो आत्म-खोज की अपनी-अपनी यात्राओं के दौरान एक-दूसरे से प्यार कर बैठते हैं, लेकिन पारिवारिक दबाव उनके रिश्ते की परीक्षा लेता है। 13 दिसंबर को रिलीज़ हुआ गाना तेनु ज़्यादा मोहब्बत प्यार के उस नाज़ुक और दर्दभरे पहलू को दर्शाता है। इस ट्रैक पर बात करते हुए कार्तिक ने कहा था कि दिल टूटना भी प्यार का एक रंग है। फिलहाल फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' इस वर्ष 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

भाजपा की जान ईवीएम में : दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने निर्वाचन आयोग और भाजपा नीत केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आयोग पर पक्षपात करने का आरोप लगाया वहीं भाजपा के बारे में कहा कि उसकी जान ईवीएम में बसती है। चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में हुई चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सदस्य सिंह ने आयोग पर पक्षपात करने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने उससे समय मांगा तो उन्हें समय देना तो दूर पावती तक नहीं मिली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कई राज्यों में वोट चोरी होने का प्रमाण दिया है लेकिन आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी बिहार में सरकार के कदमों पर रोक नहीं लगायी गयी जबकि कई राज्यों में सरकार के कदमों पर रोक लगा दी गयी।

स्वागत

अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी, बीच में, जबकि उरुग्वे के फुटबॉलर लुइस सुआरेज़ बाएं का आईसीसी चेयरमैन जय शाह नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सोमवार को स्वागत करते हुए।

'स्ट्रीट फाइटर' से विद्युत जामवाल की पहली झलक आई सामने

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के एक्शन स्टार विद्युत जामवाल एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इस बार वजह है उनका धमाकेदार हॉलीवुड डेब्यू। लंबे समय से चर्चा में बनी हुई फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में विद्युत की पहली झलक आखिरकार सामने आ गई है। निर्माताओं द्वारा जारी किया गया उनका लुक इतना चौंकाने वाला है कि पहली नज़र में उन्हें पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। यह ट्रांसफॉर्मेशन विद्युत की समर्पणशीलता और एक्शन के प्रति उनके जुनून को एक बार फिर साबित करता है। विद्युत जामवाल ने सोशल मीडिया पर अपना 'स्ट्रीट फाइटर' लुक शेयर करते हुए लिखा, अपनी सीमाओं से आगे बढ़ें। विद्युत जामवाल धल्सिम हैं। यह साफ है कि फिल्म में वह प्रतिष्ठित कैरेक्टर धल्सिम की भूमिका निभा रहे हैं, जो दशकों से गेमिंग दुनिया के लोकप्रिय किरदारों में से एक रहा है। फिल्म की कहानी 1987 में

लॉन्च हुए कैपकॉम के मशहूर वीडियो गेम स्ट्रीट फाइटर से प्रेरित है।

इस हाई-ऑक्टेन हॉलीवुड फिल्म का निर्देशन किताओ सकुराई ने किया है और इसे 16 अक्टूबर 2026 को रिलीज़ किया जाएगा। विद्युत के फैंस के लिए यह किसी बड़े तोहफे से कम नहीं, क्योंकि वह पहली बार किसी वैश्विक फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनते नज़र आएंगे। विद्युत जामवाल को आखिरी बार 2024 में रिलीज़ हुई उनकी एक्शन फिल्म 'क्रैक: जीतेगा तो जिएगा' में देखा गया था। अब 'स्ट्रीट फाइटर' के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई छलांग लगा दी है, जो उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है।

'धुरंधर' की सक्सेस पर निर्माता-निर्देशक सुभाष घई का सवाल, 'क्या जरूरी है, मेकर्स, कंटेंट या स्टार्स?'

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्देशक और निर्माता सुभाष घई बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो रही फिल्मों पर अपनी राय देते हैं। अब उन्होंने फिल्म 'धुरंधर' को लेकर कुछ ऐसी बात कही है, जो बड़े फिल्मी सितारों को थोड़ी चुभ सकती है। निर्माता ने फिल्म के अच्छे कंटेंट और मेकर्स पर फोकस करने की बात कही है, बड़े स्टार्स पर नहीं। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया और अच्छे कंटेंट, मेकर्स और स्टार्स की बात की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैंने कल कोमल नाहटा से पूछा कि अगर 'धुरंधर', 'सैयारा' और 'लालो' जैसी फिल्मों को दर्शक बहुत पसंद करें, तो ज्यादा क्या काम करता है? कंटेंट या मेकर्स या स्टार्स? उन्होंने मुझे तुरंत जवाब दिया कि कंटेंट और मेकर्स स्टार्स तो सोने पर सुहागा हैं।

निर्माता ने आगे लिखा, ''अगर स्टार्स पहले है तो हम क्या सीखते हैं? क्या अच्छे मेकर्स के साथ सही एक्टर्स के बजाय स्टार्स के पीछे भागना सही है। 80-90 के दशक के सिनेमा में भी ऐसा ही था।निर्माता के पोस्ट पर यूजर्स भी रिएक्ट कर रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि फिल्म की अच्छी कहानी और किरदार ही किसी फिल्म को अच्छा बनाते हैं। एक यूजर ने लिखा, मिस्टर धर कितने क्रिएटिव दिमाग वाले हैं। यह फिल्म ओरिजिनल काम करने की ताकत का सबूत है। 'धुरंधर' के रिलीज के बाद से भी फिल्म की स्टारकास्ट और उनकी एक्टिंग स्किल्स की तारीफ हो रही है, ना कि मेकर्स और कंटेंट की। 80 से 90 के दशक में भी जो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल करती थीं, उनमें भी फिल्म की लीड कास्ट की तारीफ होती थी, न कि निर्देशक, राइटर या फिर पर्दे के पीछे काम करने वाले लोगों की।

'धुरंधर' घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म का वर्ल्ड वाइड कलेक्शन 400 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। यह फिल्म एक हफ्ते में ही अपना बजट निकालने में कामयाब रही है। वहीं, 'धुरंधर पार्ट-2' की जानकारी देते हुए आर. माधवन ने कहा कि फिल्म अगले साल रिलीज होगी। यह सिर्फ फिल्म का ट्रेलर है। पूरी पिक्चर पार्ट-2 में दिखने वाली है।

एक कलाकार के तौर पर अपनी जिम्मेदारी से परिचित हूं : माधुरी दीक्षित

मुंबई/भाषा

आगामी वेब सीरीज 'मिसेज देशपांडे' में एक सीरियल किलर की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री माधुरी दीक्षित का कहना है कि वह एक कलाकार के रूप में अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह वाकिफ हैं और उन्होंने जानबूझकर पर्दे पर हिंसा और रक्तपात के चित्रण के बजाय भावनात्मक गहराई को प्राथमिकता देने का विकल्प चुना है। इस वेब सीरीज का निर्देशन नागेश कुकुनूर ने किया है। यह सीरीज जेल में बंद एक महिला सीरियल किलर की कहानी पर आधारित है, जिससे पुलिस तब संपर्क करती है जब सिलसिलेवार हत्याएं उसकी विशिष्ट शैली से मिलती-जुलती होती है। छह एपिसोड की इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में माधुरी दीक्षित एक बेबाक, ग्लैमर-मुक्त और बेहद परेशान करने वाले अवतार में नजर आएंगी। वेब सीरीज में उनका किरदार 'हम आपके हैं कौन', 'दिल तो पागल है', 'देवदास' और 'टोटल धमाल' जैसी फिल्मों से पूरी तरह से अलग है। माधुरी ने कहा, जिम्मेदारी तो हमेशा रहती है। लेकिन हम कलाकार हैं, हम अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाते हैं और हम हर चीज के लिए जिम्मेदार नहीं हो सकते। निर्देशक के तौर पर, कुकुनूर इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि हम हिंसा की बात नहीं कर रहे हैं। यह हत्याओं की बात नहीं है, यह भावनाओं की बात है, यह खून-खराबे जैसी चीजों की बात नहीं है।

अभिनेत्री ने कहा, पटकथा, उसका चरित्र, खुलासे और उसके साथ जो कुछ हुआ है, ये सब कहानी के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। इसलिए, जब लोग इस सीरीज को देखेंगे, तो उन्हें एहसास होगा कि यह सिर्फ हिंसा के बारे में नहीं है। हमारा मकसद कभी

सनसनी पैदा करना नहीं था। कुकुनूर ने भी उनकी भावनाओं को दोहराते हुए कहा कि यह सीरीज,एक रोमांचक कहानी पेश करती है जिसमें अप्रत्याशित मोड़ हैं। यह सीरीज 19 दिसंबर को जियोहॉटस्टार पर रिलीज होगी। कुकुनूर ने कहा, हमने बहुत सोच-समझकर यह सुनिश्चित करने का निर्णय लिया कि हिंसा और खून-खराबे के बजाय नाटक, उतार-चढ़ाव और रिश्तों को प्रभावी बनाए रखा जाए। जब माधुरी दीक्षित से एक सीरियल किलर की भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया, तो उन्होंने स्वीकार किया कि वह शुरू में थोड़ी हैरान थीं, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि कहानी सामान्य से कहीं अधिक गहरी है।

माधुरी ने कहा, एक पल के लिए मुझे लगा, मैं, सीरियल किलर? लेकिन यह सिर्फ सीरियल किलर होने की बात नहीं है, यह उसकी कहानी है, यह उसके व्यक्तित्व की बात है, 'मिसेज देशपांडे' के व्यक्तित्व की बात है। यह सिर्फ हत्या के बारे में नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं का भी समावेश है, और यही बात मुझे इस किरदार में सबसे अच्छी लगी। यह शो फिल्मकार कुकुनूर के साथ उनका पहला सहयोग है। कुकुनूर ने 'डोर', 'खानक' और 'सिटी ऑफ ड्रीम्स' जैसी फिल्में बनाई हैं।

वनबंधु परिषद बेंगलूरु चैप्टर की बैठक में 'ईश्वर' कार्यक्रम पर रूपरेखा तय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वनबंधु परिषद, बेंगलूरु चैप्टर द्वारा महिला समिति एवं युवा समिति के साथ कार्यकारिणी सदस्यों की एक संयुक्त एवं महत्वपूर्ण बैठक यहां के एक होटल में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के वरिष्ठ मार्गदर्शकों एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ मार्गदर्शक मुरारीलाल सरावगी, रमेश अग्रवाल, बिमल सरावगी, चैप्टर अध्यक्ष हाथीमल बैद तथा चैप्टर सचिव वैभव गुप्ता की उपस्थिति रही। बैठक का मुख्य उद्देश्य चैप्टर, महिला समिति एवं युवा समिति द्वारा वर्तमान वर्ष में किए गए विभिन्न सेवा एवं संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा करना तथा आगामी योजनाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा करना था।बैठक की शुरुआत संगठन के उद्देश्यों एवं सेवा संकल्प को स्मरण करते हुए की गई। महिला समिति की सचिव अनीता जैन ने पिछले सात महीनों में समिति द्वारा किए गए सामाजिक, शैक्षणिक एवं सेवा से जुड़े विविध कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने महिला समिति द्वारा समाज में जागरूकता, सहयोग एवं सेवा भाव को सशक्त करने हेतु किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य में प्रस्तावित योजनाओं की भी रूपरेखा साझा की।ङ्कयुवा समिति की ओर से सचिव विकास गुप्ता ने युवा समिति की गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विशेष रूप से एक शाम बालाजी के नाम कार्यक्रम की सफलता का उल्लेख करते हुए बताया कि इस आयोजन के माध्यम से 151 एकल विद्यालयों के संचालन हेतु डोनेशन एकत्र किया गया, जो संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने युवाओं की सक्रिय भागीदारी और सेवा भाव को संगठन की सबसे बड़ी शक्ति बताया। चैप्टर सचिव वैभव गुप्ता ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि वनबंधु परिषद, बेंगलूरु चैप्टर द्वारा फंड कलेक्शन एवं एकल विद्यालयों के कार्यों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 1 फरवरी को एक भव्य नाट्य कार्यक्रम 'ईश्वर' का आयोजन ज्योति निवास ऑडिटोरियम में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में लोकप्रिय धारावाहिक महाभारत में दुर्योधन की भूमिका निभाने वाले प्रसिद्ध अभिनेता पुनीत इस्सर लंकाधिपति रावण की मुख्य भूमिका में, अपने अन्य कई प्रसिद्ध कलाकारों के साथ राम और रावण से जुड़े विभिन्न प्रसंगों की प्रभावशाली एवं भावनात्मक प्रस्तुति देंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से इस वर्ष एकल विद्यालयों के संचालन हेतु आवश्यक अनुदान जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के सफल एवं सुचारु आयोजन के लिए विक्रम अग्रवाल को संयोजक तथा अमित सिंह, पवन राजलीवाल एवं रचना डालमिया को सह-संयोजक नियुक्त किया गया। बैठक के दौरान सभी गणमान्य अतिथियों एवं कार्यक्रम संयोजकों की उपस्थिति में कार्यक्रम के पोस्टर का विधिवत विमोचन भी किया गया।

शहर में 11 जनवरी को मिथिला महोत्सव का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मिथिला सांस्कृतिक परिषद की ओर से आगामी 11 जनवरी को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में मिथिला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में मैथिली संस्कृति, संगीत एवं लोककला की समृद्ध परंपरा को दर्शाने के लिए मैथिली के प्रसिद्ध कलाकार अपनी आकर्षक प्रस्तुतियाँ देंगे।

संस्था के अध्यक्ष पवन मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर प्रसिद्ध गायक विकास झा एवं प्रिया मल्लिक अपनी विशेष प्रस्तुतियाँ देंगे। इसके अतिरिक्त, प्रसिद्ध शंख वादक विपिन मिश्रा भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। संचालन मैथिली के जाने-माने उद्घोषक कमलाकांत झा करेंगे। अन्य कलाकारों में अरुणिता झा, शांभवी झा, प्रीतम पालन झा एवं सोनाली कर्ण भी शामिल हैं।महोत्सव की तैयारियों के क्रम में संस्था के उपाध्यक्ष बी.एन. ठाकुर के आवास पर एक तैयारी बैठक आयोजित की गई, जिसमें मैथिल समाज के 50 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं एवं जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

संस्था की ओर से बेंगलूरु में निवास करने वाले सभी मैथिलजनों से आग्रह किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाएं। इस बैठक में दीपक झा, गिरीश सत्यम, हरेकृष्ण चौधरी, राही राज, विकासलाल, पंकज मिश्रा, प्रीति राही, राकेश चौधरी, अम्बुज मिश्रा, विक्रम झा, सुनील ठाकुर, अभिमन्यु पांडे, पंकज झा, राम झा, निलेश मिश्रा, पालन झा तथा सुश्री प्रियंका सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मानव अपनी शक्ति से हर समस्या का समाधान करता है : साध्वी भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां वीवीपुरम स्थित शाश्वत कुटुम्ब बिल्डिंग में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि हमारा मन दुःख और सुख का उद्गम स्थल है, 'जैसा होगा मन वैसी होगी अनुभूति' । आत्मकल्याण के लिए दुनिया में बाहर कुछ भी नहीं है, जो कुछ है वह हमारे भीतर है लेकिन हम बाहर भटकते रहते हैं। बाहर भटकने से ही समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

समस्याओं का समाधान हमारे भीतर मिलेगा लेकिन हम उन्हें बाहर खोजते रहते हैं। हमारी सोच ही हमारी समस्याओं को सुलझा या उलझा सकती है। सोच सकारात्मक होगी तो मुश्किल समस्या भी आसानी से सुलझ जाएगी। नकारात्मक सोच सामान्य समस्या को भी जटिल बना देती है। ङ्कसाध्वी शीतलगुणा जी ने कहा कि जीवन में आत्मीय आनंद की अनुभूति करने के लिए खुद को पहचानना होगा और अपने भीतर झांकना होगा। व्यक्ति में अनंत शक्ति है और यदि वह अपनी शक्ति को पहचान लेता है तो हर समस्या का समाधान कर सकता है।

मानव जीवन कच्चे घड़े के समान है, कब फूट जाए पता ही नहीं चलता। इसलिए जीवन में शुभ कार्य करने में कभी प्रमाद नहीं करना चाहिए। जिसने प्रमादरहित होकर शुभ कर्म किए उसने अपना जीवन सफल बना लिया। जीवन में जन्म, बचपन, जवानी, बुढापा व मृत्यु पांच अहम भाग होते हैं।इनको समझ उसी अनुरूप जीवन जीना चाहिए एवं धर्म कार्य करते रहना चाहिए। व्यक्ति के जीवन में सुख दुःख आते जाते हैं। स्वभाव व अभाव इनका कारण होता है। व्यक्ति स्वभाव में कम ओर अभाव में ज्यादा जीता है। वह जो उसके पास है उनका आनंद लेने की बजाय जो नहीं है उसे लेकर दुःखी रहता है। व्यक्ति अभाव छोड़कर स्वभाव में जीना सीख ले तो जीवन की दशा बदल जाएगी। हमारे पास जो है उसमें संतोष रखना सीखें क्योंकि संतोष से बड़ा कोई धन नहीं होता है। संतोष रखने वाला व्यक्ति दुख में भी सुख की तरह रह सकता है। मनोज परमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

उत्तर कर्नाटक प्रवास पर विहिप के पदाधिकारी ने ली संगठनात्मक बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संयुक्त सचिव एवं अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख सपन कुमार मुखर्जी ने उत्तर कर्नाटक प्रवास के दौरान प्रांत कार्यालय धर्मश्री में संगठनात्मक बैठक की। बैठक में प्रान्तीय अध्यक्ष लिंगराज अप्पा, उपाध्यक्ष गोवर्धन राव एवं गंगाधर हेगड़े, प्रांतीय कार्यदर्शी शिवकुमार बी., प्रांतीय सेवा प्रमुख शिवकुमार एम., हुब्बल्ली महानगर सेवा प्रमुख गंगाधर शेट्टर, पूर्व सेवा प्रमुख सुभाष डंक, राजू सूर्यवंशी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर संगठनात्मक गतिविधियों, सेवा कार्यों की प्रगति तथा आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई। मुखर्जी ने कार्यकर्ताओं को समाज सेवा एवं राष्ट्रहित में समर्पण भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

'द आर्ट ऑफ गिविंग' में वीएसएफ की सहभागिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विजई संभव फाउंडेशन (वीएसएफ) ने न्यू होराइजन गुरुकुल द्वारा आयोजित वार्षिक सामाजिक पहल 'उपहार 4.0-द आर्ट ऑफ गिविंग' में सहभागिता की। यह आयोजन सामाजिक दायित्व के प्रति विद्यालय की सशक्त प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें छात्र, शिक्षक और प्रबंधन मिलकर विभिन्न सामाजिक उद्देश्यों के समर्थन में एकजुट हुए। 'उपहार' विद्यालय की एक विशिष्ट वार्षिक पहल है, जिसमें प्रत्येक स्टॉल किसी न किसी सामाजिक संस्था को आवंटित किया जाता है और स्टॉल से होने वाली संपूर्ण आय संबंधित संस्था को दान की जाती है। पिछले वर्ष के सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष भी विजई संभव फाउंडेशन को दो स्टॉल प्रदान किए गए। न्यू होराइजन गुरुकुल के विद्यार्थियों ने वीएसएफ की ओर से इन स्टॉलों का संचालन किया, जिससे प्राप्त संपूर्ण राशि फाउंडेशन को सौंपी जाएगी, ताकि इसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा एवं सामुदायिक कल्याण से जुड़े कार्यों में उपयोग किया जा सके।ङ्कफाउंडेशन ने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों के उत्साह, समर्पण और संवेदनशीलता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। ङ्कङ्कआभार स्वरूप विजई संभव फाउंडेशन की ओर से विद्यार्थियों को एक स्मृति-चिह्न भेंट किया गया। वीएसएफ के चेयरमैन रवि राजहंस भी इस अवसर पर उपस्थित थे ।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए 'उपहार' में झलकती दान और सेवा की भावना की सराहना की। फाउंडेशन ने 'उपहार' को न्यू होराइजन गुरुकुल की एक सराहनीय पहल बताया, जो न केवल सामाजिक संस्थाओं को समर्थन देती है, बल्कि विद्यार्थियों में करुणा, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों को भी सुदृढ़ करती है।

कुमावत समाज द्वारा राधाकृष्ण मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 20 फरवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कुमावत समाज बेंगलूरु द्वारा आयोजित रविवार की सामूहिक बैठक में राधा-कृष्ण मंदिर की बहुप्रतीक्षित प्राण प्रतिष्ठा को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। समाज के अध्यक्ष मानकचंद सिंदड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि यहां कॉटनपेट में बने राधा-कृष्ण मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 20 फरवरी को विधि-विधान से संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत 11 फरवरी से की जाएगी, जो विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों, पूजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 20 फरवरी को मंदिर में राधा-कृष्ण की मूर्तियों की विधिवत स्थापना के साथ संपन्न होगी। यह बैठक बेंगलूरु में आयोजित की गई, जिसमें कार्यकारिणी समिति के सदस्य, ट्रस्टी, समाज के वरिष्ठ सदस्य, महिला मंडल एवं नवयुवक मंडल के पदाधिकारियों की उपस्थिति में सामूहिक रूप से आयोजन की तैयारियों, जिम्मेदारियों और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किए और समाज के सहयोग से आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप देने का संकल्प लिया।ङ्कबैठक के पश्चात समाज द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार राजूराम कुमावत ने एक से बढ़कर एक भक्ति भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। भजन संध्या का मंच संचालन शैतान सिंह राजपुरोहित ने किया। भजनों के दौरान उपस्थित श्रद्धालु राधा-कृष्ण के भक्ति भाव में झूमते नजर आए और पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर संत पुखराज महाराज सहित कुमावत समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने आगामी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के सफल आयोजन के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया और समाज में धार्मिक व सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में इस आयोजन को एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

राजस्थान परिषद द्वारा आयोजित ग्रांड आरपीसीएल-6 का शुभारंभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राजस्थान परिषद द्वारा आयोजित दि ग्रांड आरपीसीएल-6 का शुभारंभ रविवार को मैसूरु रोड स्थित स्वामीनारायण गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल के स्टेडियम में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। संपूर्ण मंत्रिमंडल एवं सम्मानित दानदाताओं द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। राजस्थान परिषद के अध्यक्ष संजय बैद ने सभी का स्वागत करते हुए परिषद के स्वर्णिम इतिहास एवं परिषद द्वारा किए जाने वाले जनहित कार्यों की जानकारी साझा की। आरपीसीएल के चेयरमैन सूरज चंडालिया ने कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं आयोजन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला और कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे सभी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। आरपीसीएल के मेंटर सुनील सुराणा ने टूर्नामेंट से जुड़े प्रत्येक बिंदु की विस्तृत जानकारी समाज के समक्ष प्रस्तुत की।ङ्कइस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक शायर देवी हीरालाल, सुमन हेमंत एवं दीक्षा, राजस मालू परिवार का अभिनंदन एवं सम्मान प्रबंध मंडल एवं चेयरमैन द्वारा किया गया। मशाल प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में सभी टीम ओनर्स द्वारा अपनी-अपनी टीमों की लॉन्चिंग, लेडीज विंग द्वारा मनमोहक फैशन वॉक तथा अंत में सावरी म्यूजिक बैंड की शानदार प्रस्तुति रही, जिसने उपस्थित सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संचालन सुदर्शन चोरड़िया ने किया। अंत में परिषद के मंत्री रजत बैद ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

चिंतामणि जैन मंदिर में पार्श्वनाथ जन्म कल्याण उत्सव, स्नात्रपूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां स्थित महालक्ष्मी लेआउट में श्वेताम्बर जैन मंदिर में जैन धर्म के तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ प्रभु का जन्म कल्याणक दिवस पूरे भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में मंदिर में विशेष स्नात्र पूजन का आयोजन किया गया। मंदिर के गुरुजी धनंजय गुरुजी ने विधि विधान के साथ स्नात्र पूजा महिला मंडल के द्वारा सम्पन्न हुई। पूजा में सुनील बंबोरी, राकेश पंकज और अन्य श्रद्धालु उत्साह के साथ शामिल हुए। पूजा के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच मिष्ठान का भी वितरण किया गया।ङ्कस्नात्र पूजा अभिषेक महाविधान एवं मोतीचूर लड्डु प्रभावना के लाभार्थी नरेश महेन्द्र कुमार सुनील कुमार बंबोरी परिवार की ओर से किया गया था। चेतन प्रकाश झारमुथा ने बताया कि जैन धर्म में पौष वदी दशमी तिथि को तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का जन्म कल्याणक मनाया जाता है। जैन समाज के लिए यह एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन सभी श्रद्धालु भक्ति आराधना और तप करते हैं।

जोधपुर एसोसिएशन की ओर से जोधपुर बॉक्स क्रिकेट लीग संपन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जोधपुर बॉक्स क्रिकेट लीग का आयोजन जेपी नगर के गेम थ्योरी परिसर में किया गया जिसमें सभी खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा क्रिकेट खेला और शानदार टीम भावना दिखाई। जोधपुर एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश भन्साली और मंत्री राजेश भण्डारी ने सभी खिलाड़ियों को जर्सी वितरित की और राष्ट्रगीत से खेल का शुभारंभ हुआ। उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि अपूर्व भंडारी, कुणाल भंडारी, प्रवर भंडारी, सिद्धार्थ भंडारी और अर्पित भंडारी के संयोजन में अनिल मुथा की टीम मुथा ग्लेडिएटर्स ने पहला स्थान खिताब जीता और भंडारी भामाशाह टीम उपविजेता रही। कुल 6 टीम एम.क्यूब टाइटंस, मुथा चैलेंजर्स, मिरेकल फाइटरस, नवचौकिया नाइट राइडर्स, मुथा ग्लैडिएटर्स और भंडारी भामाशाह ने हिस्सा लिया। नतीजों से ज़्यादा, यह लीग सभी के लिए एक जीत थी, कोई नहीं हारा, इसमें हिस्सा लेकर और साथ में गेम का आनंद लेकर सभी जीते। ङ्कएसोसिएशन के संरक्षक धीरेन्द्र कुमार सिंघी, राजेन्द्र लोढा, अध्यक्ष कैलाश भन्साली, उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता, मंत्री राजेश भंडारी, पूर्व अध्यक्ष अशोक व्यास, कार्यकारिणी सदस्य जितेन्द्र दुगड़, सुनील पारख, महेन्द्र राज भंडारी, प्रवीण भंडारी और किरण मेहता तथा शुभम भंडारी ने विजेताओं को सम्मानित किया और खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई की। मंत्री राजेश भंडारी ने आभार प्रकट किया। जोधपुर एसोसिएशन का नववर्ष स्नेह मिलन प्रायोजक संरक्षक लक्ष्मीचन्द, डॉ अरिहन्त भंडारी के द्वारा 4 जनवरी को माहेश्वरी भवन में आयोजित है।

जेपीएफ द्वारा रोमांचक खेलों का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो प्रोफेशनल फोरम (जेपीएफ) बेंगलूरु ने व्हाइटफील्ड में सुमधुरा प्ले कनेक्ट, इन्सपोर्टर्ज एरिना में फिटनेस के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। इस इवेंट में लगभग 300 प्रोफेशनल लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें फिटनेस, नेटवर्किंग और समुदाय के बंधन को एक मंच पर लाया गया।ङ्कइस कार्यक्रम का उद्घाटन जीतो बेंगलूरु साउथ कमेटी के सदस्य और जेपीएफ कन्वेनर रौनक गुलेचा, जेपीएफ बेंगलूरु चेयरमैन हरि किशन छाजेड़ , चीफ सेक्रेटरी प्रेक्षा भंडारी और जीतो जेपीएफ एपेक्स जॉइंट सेक्रेटरी अक्षय मेहता ने किया। कार्यक्रम संयोजक अवनीप मेहता और हितेश बोहरा ने पूरे दिन सहज समन्वय और उच्च भागीदारी सुनिश्चित की। सुमधुरा प्लेकनेक्ट में 8 रोमांचक खेल शामिल थे, जिनमें क्रिकेट, पिकल बॉल, पैडल टेनिस, बैडमिंटन, टेबल टेनिस आदि शामिल थे। इस इवेंट की एक प्रमुख विशेषता सभी खेलों में महिला उम्मीदवारों की सक्रिय भागीदारी थी, जो जेपीएफ बेंगलूरु साउथ की समावेशिता और समान भागीदारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के प्रकाशनगर स्थित कृष्णदेव राय कन्नड़ा अभिमानी संघ द्वारा नगर देवता श्री अण्णम्मा देवी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मारुति मेडीकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**